दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 139 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत किया।

सुविचार

सपने देखने से नहीं, उन्हें पूरा करने से सफलता मिलती है।

श्रीनगर में ईडी ने आतंकी फंडिंग केस में चार ठिकानों पर की छापेमारी

श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आतंकी फंडिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के श्रीनगर जोनल ऑफिस ने श्रीनगर में चार ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है। यह मामला उमर आदिल डार और उसके साथियों से जुड़े आतंकी फंडिंग केस से संबंधित है। जांच में आरोप है कि उमर आदिल डार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहा था और संगठन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। आरोप है कि उमर आदिल डार को पहले अपने साथियों के साथ भारी मात्रा में नकदी और प्रतिबंधित संगठन से संबंधित आपत्तिजनक साहित्य ले जाते हुए पकड़ा गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि उमर आदिल डार पहले जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और भारत विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण लगभग चार साल तक जेल में रह चुका है। ईडी की यह मौजूदा तलाशी अपराध से अर्जित आय का पता लगाने, वित्तीय नेटवर्क और फंडिंग चैनलों की पहचान करने, सीमा पार बैठे हैंडलर्स के साथ उसके संबंधों और कथित आतंकी वित्तपोषण गतिविधियों से संबंधित और सबूत जुटाने के लिए की जा रही है। बता दें कि इससे पहले 2 नवंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सॉफ्टवेयर आयात के नाम पर विदेशों में अवैध रूप से धन भेजने के मामले में दिल्ली और कोलकाता के सात ठिकानों पर छापेमारी की थी।

एसआईआर प्रक्रिया से पहले ही 57 चुनाव हार चुकी है कांग्रेस : स्मृति

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर संदेह जताने के लिए मुख्य विपक्षी दल की कड़ी आलोचना की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने आज कहा कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने की एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही कांग्रेस 57 चुनाव हार चुकी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर अपनी चुनावी हार पर आत्ममंथन के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा नेत्री ने मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया को लेकर विपक्ष के हालिया बयानों की निंदा की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस रुख का भी जिक्र किया, जिसमें स्पष्ट कहा गया था कि प्रधानमंत्री का राजनीतिक विरोध करना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है लेकिन इस राजनीतिक विरोध की आड़ में देश की मुख्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों को त्रुटिहीन बनाने की इस प्रक्रिया का विरोध करने पर विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए स्मृति ईरानी ने तीखा प्रहार किया।

केदारताल एवलांच में लापता हुए दो लोगों के शव बरामद,छह की तलाश

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी के केदारताल ट्रैक पर भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की चपेट में आकर लापता हुए आठ लोगों की तलाश में जुटी रेस्क्यू टीम को मंगलवार को दो शव बरामद करने में सफलता मिली। एसडीआरएफ और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) की संयुक्त टीम ने बर्फ में दबे एक महिला और एक पुरुष के शव निकाले हैं। हालांकि अभी दोनों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। शेष छह लापता लोगों की तलाश जारी है। आज एसडीआरएफ और निम की संयुक्त टीम ने संभावित स्थान पर फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान टीम को बर्फ में दबे दो शव दिखाई दिए। काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला गया। टीम ने दोपहर करीब तीन बजे तक अभियान चलाया और इसके बाद बेस कैंप लौट आई। अब बुधवार को फिर से तलाशी अभियान चलाया जाएगा। रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने और जरूरत पड़ने पर हवाई सहायता उपलब्ध कराने के लिए घटनास्थल के समीप करीब 4,005 मीटर की ऊंचाई पर वैकल्पिक हेलीपैड भी तैयार किया गया है। लापता लोगों की सूची में पश्चिम बंगाल के तपस बाउरी,रतन घोष,मनोज खोवास, रिंटू मॉडल और उदय घोष तथा उत्तर प्रदेश की वर्तिका वर्मा और दीपिका वर्मा शामिल हैं। आठवें लापता व्यक्ति सिद्धार्थ राणा उत्तरकाशी के निवासी बताए गए हैं।

पुणे मेट्रो के विस्तार से लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने मेट्रो की 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया उद्घाटन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित करीब 23 किलोमीटर लंबी पुणे मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन और लगभग 13,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से दूसरे चरण की चार मेट्रो लाइनों का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पुणे मेट्रो का विस्तार शहर के विकास को नई गति देने के साथ लोगों के जीवन को आसान बनाएगा। त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं, जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणे के लोगों के लिए ऐसा ही सुखद अवसर है। उन्होंने पुणे और महाराष्ट्र के लोगों को इन परियोजनाओं की बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि करीब 10 वर्ष पहले उन्हें पुणे मेट्रो के पहले चरण का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। अब हिंजवड़ी से शिवाजीनगर के बीच मेट्रो संपर्क स्थापित होने से पुणे के बड़े सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) केंद्र को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। वहीं, जिन नई लाइनों का आज शिलान्यास किया गया है, उनसे शहर के पुराने और नए इलाकों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि पुणे हमेशा ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिन्होंने राष्ट्र और समाज को नई दिशा दी है।

सरकार का हमेशा से मंत्र रहा है कि गरीब को सशक्त बनाया जाए



नई दिल्ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि गरीबों को घर, शौचालय, हर घर जल और गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सरकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। जब देश का पैसा सड़क,रेलवे, हवाई अड्डे और मेट्रो जैसे बुनियादी ढांचे पर खर्च होता है तथा बिजली, पानी और गैस पाइपलाइन में निवेश बढ़ता है तो लोगों का जीवन बेहतर होने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले महीने सरकार के मुखिया के तौर पर काम करते हुए उनके 25 वर्ष पूरे हुए हैं। उनकी सरकार का हमेशा से मंत्र रहा है कि गरीब को सशक्त बनाया जाए, ताकि उसमें अपनी गरीबी से बाहर निकलने का साहस पैदा हो। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने इसी सोच के साथ गरीब कल्याण मेलों की शुरुआत की थी। इन मेलों में गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने पर ध्यान दिया जाता था। उन्होंने इसे %पावर टू एम्पावर% यानी सशक्त बनाने के लिए शक्ति प्रदान करना बताया और कहा कि यही सुशासन है। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में खराब मौसम और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य में मौसम की बेरुखी के कारण अनेक किसान परिवार कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में जल संरक्षण के लिए काफी काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राजग सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

धमकी देकर अभिनेता तुषार कपूर से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से फोन पर मिली धमकी

मुंबई ,(एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कथित तौर पर अभिनेता को फोन करने वाले ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए हैरी बॉक्सर के नाम का इस्तेमाल किया। धमकी मिलने के बाद तुषार कपूर ने बिना देरी किए मुंबई पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, शुरुआती जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। पुलिस ने धमकी भरे कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का मिलान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से कराया, लेकिन दोनों आवाजों में समानता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को आशंका है कि किसी शरारती तत्व ने गैंग के नाम का इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने और उनसे रंगदारी वसूलने की कोशिश की है। मिली जानकारी के अनुसार, तुषार कपूर को आए कॉल में कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। फोन करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया और हैरी बॉक्सर का नाम लिया। धमकी मिलने के बाद अभिनेता ने पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया। मुंबई पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच एंटी एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी भरा कॉल कहां से किया गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच की तकनीकी टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की पड़ताल की। इसके लिए कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से मिलान कराया गया। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजों के बीच समानता नहीं पाई गई।

संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर कर रही सपा व कांग्रेस : जेपी नड्डा



'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के दौरान केंद्रीय मंत्री ने लगाए आरोप

लखनऊ,(एजेंसी.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को बरेली में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा निकाली, जिसका नेतृत्व भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ गैर-जिम्मेदार राजनीतिक दल चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की साख और जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को 'प्रजातंत्र की जननी' कहा जाता है। देश के निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय ने दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, लेकिन विपक्ष अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए इन संस्थाओं पर सवाल उठा रहा है। इस पदयात्रा का नेतृत्व केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान,प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी,उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों के कार्यकर्ता भी अपनी-अपनी पार्टी का झंडा बैनर लेकर पदयात्रा में शामिल हुए। केन्द्रीय कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र का गला घोंटने का पाप इंदिरा गांधी ने किया था। देश को बांटने और चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने का काम कांग्रेस ने किया। आज संवैधानिक संस्थाओं पर उंगली उठा रहे हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी मैदान में जीत नहीं सकते तो देश को अराजकता की आग में झोंकना चाहते हैं। राजनीति को रक्तनीति में लोकतंत्र को लूटतंत्र में और प्रजातंत्र को पीड़ातंत्र में बदलना चाहते हैं। विपक्ष घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतना चाहता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार उत्तर प्रदेश में थी, तब जनता सुरक्षित नहीं थी। गुंडातंत्र हावी था। कमीशन क्राइम व करप्शन की सरकार चलाकर उत्तर प्रदेश का सत्यानाश कर दिया था। आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस हार का रिकार्ड बना रही है।

ओमान के तट के पास भारतीय जहाज पर हमला,एक नाविक की मौत

नई दिल्ली। ओमान के तट के पास भारतीय झंडे वाले एक कार्गो जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार 13 अन्य नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। जहाज पर कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। केंद्रीय शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को हुई इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि जहाज को ओमान के तट के नजदीक निशाना बनाया गया था। मंत्री के अनुसार, हमले का शिकार हुए जहाज की पहचान एमएसवी एआई ज्यूसुफि के रूप में हुई है। जहाज ओमान के तट के पास से गुजर रहा था,तभी किसी अज्ञात हवाई वस्तु से उस पर हमला किया गया। घटना के बाद ओमान के कोस्ट गार्ड ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर 13 नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, एक नाविक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी बाद में मौत हो गई। मृतक की पहचान गुजरात निवासी गंधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर नाविक की मौत पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोक लेखा समितियां राजनीति से ऊपर उठकर काम करे : ओम बिरला



पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को लोकसभा अध्यक्ष ने किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि जनता के हर पैसे का स्पष्ट हिसाब होना चाहिए और इसका इस्तेमाल पूरी तरह से अपने निर्धारित उद्देश्यों के लिए होना चाहिए। ओम बिरला ने तिरुवनंतपुरम में संसद और राज्य, केंद्रशासित प्रदेशों के विधानमंडलों की %लोक लेखा समितियों (पीएसी) के पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने सार्वजनिक धन की निगरानी, संसदीय जवाबदेही और वित्तीय जांच में एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। यह कार्यक्रम ऑडिट, जवाबदेही और सुशासन-पीएसी की बदलती भूमिका विषय पर आधारित है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा,सार्वजनिक धन की सुरक्षा के मामले में राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार किया जाना चाहिए। पीएसी अध्यक्ष के रूप में विपक्ष के सदस्य को नियुक्त करने की लोकतांत्रिक परंपरा का भारतीय संसदीय लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। समिति का उद्देश्य किसी सरकार की आलोचना करना नहीं है,बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग या लीकेज न हो और कार्यपालिका जनता के प्रति जवाबदेह रहे। सरकारी खर्च का आकलन सिर्फ आंकड़ों और %उपयोगिता प्रमाण पत्र% तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सदस्यों को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की गुणवत्ता और सामाजिक कल्याण योजना के वास्तविक असर को जांचने के लिए प्रोजेक्ट साइट का दौरा भी करना चाहिए। बदलते दौर में निगरानी के तरीकों को आधुनिक बनाने पर जोर देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि खर्च के बड़े डेटा का विश्लेषण करने, वित्तीय गड़बड़ियों को पहचानने और ऑडिट की निगरानी के लिए एआई, डेटा एनालिटिक्स और आधुनिक तकनीक का लाभ उठाया जाना चाहिए। संसद की पीएसी के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने संसदीय जांच को परिणाम-केंद्रित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि संसद के हर सत्र में कम से कम एक पीएसी रिपोर्ट और उस पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई पर अनिवार्य रूप से चर्चा होनी चाहिए। वेणुगोपाल ने बड़ी बुनियादी परियोजनाओं और फ्लैगशिप कल्याणकारी कार्यक्रमों के समयबद्ध ऑडिट पर भी जोर दिया।

आज के बदलते समय में टेक्नोलॉजी युद्ध का अभिन्न अंग है : राजनाथ सिंह

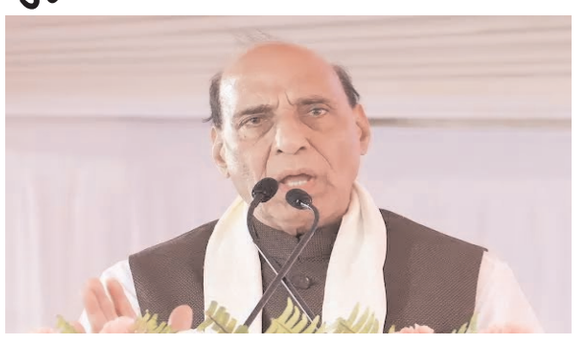

जैसलमेर,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के बदलते समय में तकनीक युद्ध का अभिन्न अंग है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से नई-नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। नए हथियारों, मिसाइलों और प्रणालियों का परीक्षण हो रहा है। इसके साथ ही सरकार ने निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है और उसे समान अवसर उपलब्ध कराए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। राजनाथ सिंह ने कहा कि तीनों सेनाओं ने अपनी संरचनाओं और सैन्य गठन में लगातार सुधार और बदलाव किए हैं। उदाहरण के तौर पर, भारतीय सेना में असनी, भैरव और शक्तिबाण प्लाटून जैसी नई सैन्य टुकड़ियां आज की परिचालन संबंधी जरूरतों और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काफी उपयोगी साबित हो रही हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से लेकर बड़ी कंपनियां तक आज रक्षा क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल आधुनिक उपकरण हासिल करना नहीं, बल्कि एक ऐसा रक्षा तंत्र तैयार करना है, जिसमें हमारी सेनाओं की जरूरतों के अनुरूप तकनीक का विकास हो, भारतीय उद्योग की भागीदारी बढ़े और देश की रणनीतिक निर्भरता कम हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए सरकार लगातार रक्षा बजट बढ़ा रही है। वित्त वर्ष 2026-27 में देश का कुल रक्षा बजट बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सैन्य उपकरणों के आधुनिकीकरण और खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार का जोर सेनाओं की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ भारतीय उद्योग और देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने पर भी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने आधुनिकीकरण के बजट में साल-दर-साल बढ़ोतरी की है और इसका खर्च भी किया है। सरकार सेनाओं की जरूरतों के लिए प्रतिबद्ध है।

साइबर ठगी का आरोपी शेख साबिर कोलकाता हवाई अड्डे से गिरफ्तार

कोलकाता। कर्नाटक में कई साइबर धोखाधड़ी के मामलों में वांछित आरोपित शेख साबिर को कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित मंगलवार तड़के कोलकाता से दुबई भागने की तैयारी में था। इसी दौरान आव्रजन विभाग के अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शेख साबिर मंगलवार तड़के दुबई जाने के लिए कोलकाता हवाई अड्डे पहुंचा था। आव्रजन अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच के दौरान उसके खिलाफ जारी लुकआउट नोटिस की जानकारी मिलने पर उसे हिरासत में ले लिया।

'नदी संजीवनी' कार्यक्रम के तहत बिहार की नदियों से हटेगी गाद : नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में केंद्र और राज्य सरकार के बीच एमओयू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में मंगलवार को केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा बिहार सरकार के बीच 'नदी संजीवनी' कार्यक्रम के तहत समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत बिहार की नदियों और अन्य जलस्रोतों से गाद (सिल्ट) निकालने तथा उसके उपयोग की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 'नदी संजीवनी' के तहत महाराष्ट्र के सफल बुलढाणा मॉडल की तर्ज पर बिहार की नदियों से गाद हटाई जाएगी। इससे नदियों का पुनरुद्धार होगा और जल



संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा और गाद हटाने के लिए केंद्र सरकार राज्य से कोई राशि नहीं लेगी। गडकरी ने कहा कि नदियों से गाद निकलने पर उनकी जलधारण और जलप्रवाह क्षमता में सुधार होगा। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही, बिहार में हर साल आने वाली बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने, कृषि क्षेत्र को मजबूती देने और किसानों की आय तथा जीवनस्तर में सुधार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस मौके पर कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जिसने अपनी अलग गाद नीति बनाई है। बिहार जल स्रोत पुनरुत्थान एवं गाद नीति-2026 के माध्यम से राज्य की नदियों और जलस्रोतों में जमा गाद का बेहतर प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार की दो प्रमुख चुनौतियां,अधिक आबादी और अनियंत्रित जलप्रवाह,अब विकास की ताकत बनेंगी। नदियों से निकलने वाली गाद राज्य के लिए संजीवनी साबित होगी और बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में होने वाली भारी बारिश और दूसरे राज्यों से आने वाले पानी के कारण बिहार को हर साल बाढ़ की समस्या का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक:

नगरीय क्षेत्रों में अधोसंरचना निर्माण के लिए 700 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रि-परिषद के निर्णयों की जानकारी दी। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास, पर्यावरण संतुलन और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 23 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के कई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। वनों के संवर्धन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी 9 प्रमुख योजनाओं के लिए 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही कृषि और जल प्रबंधन को गति देने के लिए पन्ना, विदिशा,



मऊगंज,सीधी,सिंगरौली तथा उज्जैन की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के निरंतर संचालन के लिए 4,103 करोड़ 73 लाख रुपये का अनुमोदन दिया गया है। शहरों में नागरिक सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत 700 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 610 करोड़ 51 लाख रुपये तथा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए लोकायुक्त संगठन के लिए 573 करोड़ 85 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। जनजातीय गौरव के संरक्षण के तहत जबलपुर स्थित राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय के सुचारू संचालन के लिए पद सृजन और वार्षिक व्यय को भी मंजूरी दी गई है। मंत्रि-परिषद ने वनों के संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों के लिए वन विभाग के अंतर्गत संचालित 9 प्रमुख विद्यमान योजनाओं के सुचारु संचालन के लिए कुल 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अवधि में 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि में से सर्वाधिक 10,664 करोड़ 79 लाख रुपये कार्यकारी योजना संगठन एवं वन वृत्तों की स्थापना पर खर्च किए जाएंगे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

उज्जैन शहर कांग्रेस ने पुलिस अधिकारी की हत्या के विरोध में कांग्रेस ने बनाई मानव श्रृंखला



राष्ट्रीय गरिमा उज्जैन जिला संवाददाता। उज्जैन के टॉवर चौक पर प्रदर्शन कर शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की मगर सबसे आश्चर्य की बात यह है कि उज्जैन में हुई श्री गंगा होटल में चार सफाई कर्मियों की मौत पर एक भी कांग्रेसी कुछ नहीं बोला और ना ही होटल संचालक के खिलाफ कोई कार्यवाही की मांग करी इससे होटल श्रीगंगा वाले ने यश एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि उसकी अपनी पकड़ कहां तक है देवास में शराब माफिया द्वारा पुलिस अधिकारी की हत्या के विरोध में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने टॉवर चौक पर मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घटना पर आक्रोश जताते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोपियों को तत्काल सजा दिलाने, शराब माफियाओं पर कार्रवाई और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। विधायक महेश परमार ने कहा कि जब प्रदेश में पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों और माफियाओं के हौसले बढ़ते जा रहे हैं और कानून का भय खत्म हो गया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि रॉय ने कहा कि पुलिस अधिकारी की हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अजित सिंह ठाकुर, , बबलू खींची, चैन सिंह चौधरी, धीरज यादव, लोकेंद्र सिंह, अर्पित यादव और हिमांशु शुक्ला सहित अन्य नेताओं ने हत्याकांड के सभी आरोपियों को तत्काल सजा दिलाने और शराब माफियाओं को संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस अवसर पर , मनीष शर्मा,, पवन यादव, मुकेश सूर्यवंशी, भूरू गौड़, चेतन भाट, देवेंद्र पाटनी, गजेंद्र मारोठिया, दीनू बड़ोदिया, धर्मेंद्र सिसोदिया, बंटी , राजेंद्र व्यास, आनंद मीणा संचित शर्मा, अभिषेक शर्मा, मुकुल घुरैया, मनीष गोमे, हेमंत गोमे, सुरेश चौधरी, मुकेश चित्तौड़िया, उमेश वर्मा, वासुदेव रावल, वीर सिंह राणा, वरुण शर्मा, आत्माराम पटेल, सुनील कछवाय, जितेंद्र डागरे, महेश सिसोदिया, सतीश मंडलोई, सावन तिलकर, भूरू भाई, प्रकाश सोलंकी, सोनू परमार, वीरेंद्र गोसर, देवीलाल लोहारिया, आदित्य नामदेव, छोटे लाल मंडलोई, , लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, चंदू विकास मालवीय, स्वाति सिंह, सोनिया ठाकुर, रश्मि त्रिवेदी, रोशनी नामदेव और सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अंत में समस्त कांग्रेसजनों ने मौन रख दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

गांधी सागर में कैबिनेट बैठक की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, प्रशासनिक अमला मैदान में उतरा



कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने हेलीपैड, टेंट सिटी और हिंगलाज रिजॉर्ट का किया निरीक्षण

मंदसौर। मध्यप्रदेश कैबिनेट की गांधी सागर में प्रस्तावित बैठक को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक के आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को कलेक्टर दिव्यांक सिंह सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का दल गांधी सागर पहुंचा और विभिन्न स्थलों का जायजा लिया। कलेक्टर दिव्यांक सिंह, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुकूल जैन सहित अन्य अधिकारियों ने तैयारियों से जुड़े स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने हेलीपैड, टेंट सिटी और हिंगलाज रिजॉर्ट पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रस्तावित कैबिनेट बैठक के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर विभिन्न विभागों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपने और आयोजन की तैयारियों को समय पर पूरा करने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है।

शासकीय आईटीआई में आईसेक्ट की कौशल विकास यात्रा-2026 का शुभारंभ

बैतूल। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आईसेक्ट इंडिया द्वारा संचालित कौशल विकास यात्रा 2026 का मंगलवार को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बैतूल में भव्य शुभारंभ किया गया। गवर्नमेंट आईटीआई के प्राचार्य श्री शुभम वानखेड़े ने हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया। इस कौशल विकास यात्रा के माध्यम से उपस्थित छात्रों के बीच आईसेक्ट के आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस अभियान को साझा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एआई संचालित कोर्सेज के बारे में अत्यंत बारीकी से समझाया गया। साथ ही, आधुनिक युग और आने वाले भविष्य में जीवन तथा करियर के क्षेत्र में एआई के बढ़ते महत्व व आवश्यकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों के बीच तकनीकी शिक्षा के प्रति इस उत्साह को देखते हुए प्राचार्य श्री शुभम वानखेड़े ने संस्थान में इन एआई कोर्सेज को संचालित कराने के लिए अपनी गहरी जिज्ञासा और रुचि व्यक्त की। इस अवसर पर आईसेक्ट की टीम से श्री वेद प्रकाश , श्री सचिन सराठे और श्री विनोद सेंड मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आईसेक्ट टीम के सभी सदस्यों ने गवर्नमेंट आईटीआई के प्राचार्य श्री शुभम वानखेड़े, प्रशिक्षण अधीक्षक श्री हरिराम यादव, श्री घोषित महाजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती हेमलता बाघमारे का आभार व्यक्त किया।

भयमुक्त और सुरक्षित बचपन हर बच्चे का अधिकार : प्रधान जिला न्यायाधीश

बैतूल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामठी में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल एवं सत्र न्यायाधीश के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल ने बताया कि हर बच्चे को भयमुक्त और सुरक्षित बचपन में जीने का अधिकार है। कार्यशाला के पहले सत्र में जिला न्यायाधीश श्रीमती सोमप्रभा चौहान ने छात्र-छात्राओ को पॉक्सो एक्ट के विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुये उन्हें हर बात अपने माता-पिता से साझा करने की सलाह दी द्वितीय सत्र में व्यवहार न्यायाधीश श्री शुभम नीमा ने साइबर सुरक्षा के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करते हुये सोशल मीडिया का सीमित और ज्ञानवर्धक प्रयोग करने की सलाह दी। तीसरे सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से पुष्पराज प्रजापति ने योग और तनाव प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। चौथे सत्र में जिला चिकित्सालय बैतूल में पदस्थ डॉ. अंकिता शिते ने किशोर स्वास्थ एवं लैंगिक संवेदनशीलता के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंतिम सत्र में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायाधीश श्री सचिन कुमार घोष , ने बच्चों के लक्ष्य केन्द्रित केरियर के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया और उनकी जिज्ञासां का समाधान किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा साइबर सुरक्षा से संबंधित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यशाला में शाला के प्रचार्य श्री अशोक कुमार पाटिल ने आभार प्रदर्शन और सफल मंच संचालन जिला विधिक सहायता अधिकरी श्री मिथिलेश डेहरिया ने किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम खिरकिया सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री शैलेन्द्र बड़ोनिया, डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्वेता बम्होरे एवं श्री अशोक डेहरिया सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम गोला निवासी प्रेमचन्द्र गुर्जर ने वर्ष 2025 खरीफ सोयाबीन फसल का प्रधानमंत्री फसल बीमा की राशि न प्राप्त होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर एलडीएम हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम जिनवानिया निवासी बद्री ने जनसुनवाई में ट्रायसाइकल की मांग की, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवेदक की पात्रता अनुसार ट्रायसाइकल प्रदान करने के निर्देश दिये गये। ग्राम रन्हाईकला निवासी गणेश ने आवेदन देकर सरकारी गोहे पर अतिक्रमण कर पक्का रपटा बनाने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हरदा को जांच कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। ग्राम दीपगांवकला निवासी कमलेश गुर्जर ने अपनी भूमि के सीमांकन संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार सिराली को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम नयापुरा निवासी कांतिबाई ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किश्त प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हंडिया को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम पलासनेर निवासी अकीला बी ने अपनी भूमि का सीमांकन कराने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हरदा को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी उमा बाई ने विद्युत बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की, जिस पर विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारी को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। सिराली निवासी रियाज खान ने नल जल योजना के तहत पेयजल व्यवस्था सुधारने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिराली को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।



बदलते परिवेश में स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक : सहायक आयुक्त श्रीमती शिवहरे



जिला स्तर पर 150 से अधिक बाल वैज्ञानिकों ने तैयार की परियोजनाएं

बैतूल। स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच एवं विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा स्वयं कुछ करने जैसी विचारधारा को लेकर राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद नई दिल्ली भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद मध्य प्रदेश शासन, शिक्षा विभाग तथा साइंस सेंटर भोपाल द्वारा आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्फ्रेंस का आयोजन 3 नवंबर मंगलवार को न्यू कार्मल कन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में संपन्न हुआ। आयोजन में प्रमुख रूप से सहायक आयुक्त जनजातिय विभाग वत्सला शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री पूनम वरकड़े, कॉलेज प्राध्यापक डॉ बी आर बारस्कर, स्कूल प्राचार्य विनीता नायर उपस्थित रही। बाल वैज्ञानिकों द्वारा सततता के लिए विज्ञान एवं नवाचार विषय पर उत्कृष्ट परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। बाल वैज्ञानिकों द्वारा अपने आसपास की स्थानीय छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर परियोजनाएं बनाई गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में स्कूली विद्यार्थियों में विज्ञान विषय को रुचिकर बनाने प्रायोगिक विज्ञान को बढ़ावा देना अनिवार्य है। इस तरह के विज्ञान गतिविधियों पर आधारित आयोजनों से विद्यार्थियों का रुझान विज्ञान की ओर बढ़ता है और विद्यार्थी स्वयं कुछ नया करने की ओर आगे बढ़ते हैं। सहायक आयुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांफ्रेंस के आयोजन से आज जिले के लगभग 300 से अधिक विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय की ओर अपनी रुचि दिखाई है, जो विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आगे लाने हेतु एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि विज्ञान को समझना और उसे समाज के लिए उपयोगी बनाना आप सभी बाल वैज्ञानिकों पर निर्भर है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांफ्रेंस के संबंध में जिले के जिला समन्वयक आनीष नायर ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्फ्रेंस का आयोजन प्रतिवर्ष होता है जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर यह आयोजन होता है। इसमें 10 से 13 एवं 14 से 17 वर्ष के स्कूली विद्यार्थी विषय अनुसार लगभग दो महीने में अपने आसपास की स्थानीय समस्याओं को लेकर परियोजना बनाते हैं। जिले स्तर से जूनियर समूह से पांच एवं सीनियर समूह से पांच परियोजनाओं का चयन महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं स्थानीय वैज्ञानिकों द्वारा किया जाता है, जिसे स्क्रैनिंग हेतु उच्च कार्यालय भोपाल भेजा जाता है। जहां से सीनियर समूह से तीन एवं जूनियर समूह से दो परियोजना का भोपाल कार्यालय द्वारा चयन किया जाता है, जिन्हें राज्य स्तर पर अपनी परियोजना का प्रस्तुत्रीकरण करना होता है। जिला स्तरीय आयोजन में जिले के 45 बाल वैज्ञानिकों ने अपनी परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया। सीनियर एवं जूनियर समूह से 10 परियोजनाओं का चयन किया गया। 20 नवंबर तक राज्य स्तर पर जाने वाली परियोजनाओं का चयन कर जिले स्तर पर सूचित किया जाएगा। आयोजन में विशेष कर बैतूल बाजार, घोड़ाडोंगरी शाहपुर, रानीपुर, मुलताई, साईंखेड़ा, सोनोरा, चिचोली, अमला सहित विभिन्न विकासखंड में संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के बाल वैज्ञानिकों ने सहभागिता की।

डोडाचूरा तस्करी के आरोपी और रिश्तेदारों की 21.54 करोड़ की संपत्ति चिह्नित

मंदसौर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध मंदसौर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में मल्हारगढ़ पुलिस ने डोडाचूरा तस्करी के एक आरोपी और उसके रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज करीब 21 करोड़ 54 लाख 28 हजार 417 रुपये की चल-अचल संपत्ति की जानकारी जुटाकर प्रस्तुत किया है। अग्रिम कार्रवाई के लिए यह प्रकरण मुंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी एवं SAFEMA न्यायालय को भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मल्हारगढ़ थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 212/2025, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी संदीप शर्मा निवासी रूपी, थाना मल्हारगढ़ के संबंध में जांच के दौरान डोडाचूरा के संग्रहण, परिवहन और तस्करी में उसकी संलिप्तता सामने आई थी। आरोपी का तस्करी नेटवर्क मंदसौर के अलावा राजस्थान के चित्तौड़गढ़, जोधपुर और कोटा सहित हरियाणा एवं पंजाब तक फैला होना पाया गया। जांच में यह भी जानकारी सामने आई कि आरोपी ने कथित तौर पर अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा रिश्तेदारों, परिचितों और अन्य लोगों के नाम पर अर्जित कर रखा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की फैमिली ट्री तैयार कर उसके तथा रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज चल-अचल संपत्तियों की जानकारी जुटाई।

जनसुनवाई में 67 लोगों ने रखीं समस्याएं, निराकरण के लिए विभागों को निर्देश

मंदसौर। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में आमजन ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर 67 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम लालाखेड़ा निवासी नाहरसिंह ने रास्ते में सुधार करवाने की मांग रखी। इस पर तहसीलदार दलौदा को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं धमनार निवासी प्रदीपनाथ ने संबल योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर सीईओ मंदसौर को जांच कर उचित कार्रवाई करने को कहा गया। मंदसौर निवासी रतनलाल ने अपनी कृषि भूमि का सीमांकन करवाने की मांग की। इस मामले में तहसीलदार मंदसौर नगर को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में भूमि के पट्टे दिलाने, संबल योजना का लाभ, आर्थिक सहायता, रास्ता खुलवाने, खसरा नकल में नाम दर्ज करवाने, शासकीय रास्ते से अतिक्रमण हटवाने तथा भूमि सीमांकन सहित विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

टीआई दिलीप पुरी की हत्या के विरोध में कांग्रेस ने बनाई मानव श्रृंखला, सरकार से मांगा इस्तीफा

मंदसौर। खातेगांव थाना प्रभारी स्व. दिलीप पुरी की शराब माफिया द्वारा की गई हत्या के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी मंदसौर ने गांधी चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घटना पर आक्रोश जताते हुए दिवंगत थाना प्रभारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रदेश में बढ़ते माफिया तंत्र पर अंकुश लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के पास गृह मंत्रालय और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के पास आबकारी मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद प्रदेश में जहरीली शराब से मौतें, नशे का अवैध कारोबार और माफियाओं का बढ़ता आतंक सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। कांग्रेस ने मंदसौर जिले के पिपलियामंडी में जहरीली शराब से 14 लोगों की मौत और एमडी ड्रग्स नेटवर्क में जिले के लोगों के नाम सामने आने को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। कांग्रेस ने शराब, डोडाचूरा, एमडी ड्रग्स, रेत और भूमाफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा उन्हें मिल रहे कथित राजनीतिक संरक्षण पर रोक लगाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रदेश में हुई गंभीर घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश में माफिया राज के बजाय कानून का राज स्थापित होना चाहिए। जनता की सुरक्षा, न्याय और जवाबदेह शासन के लिए संघर्ष जारी रखने की बात भी कही गई।



मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026

सौम्य रंजन महापात्र मौत मामले में पत्नी विद्या भारती पांडा हिरासत में

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर (ओडिशा) की अदालत ने सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) सौम्य रंजन महापात्र की कथित हत्या की आरोपी उनकी पत्नी विद्या भारती पांडा को 13 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। ओडिशा उच्च न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा देने से इंकार करने के बाद पांडा ने सुबह उप-मंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसडीजेएम) अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया था।

हरिद्वार दर्शन को आए बेटे को मंदिर में मिले 23 वर्ष से बिछुड़े पिता

हरिद्वार। गंगा स्नान कर पुण्य कमाने बिहार से हरिद्वार आए एक युवक की तीर्थयात्रा का फल किसी वरदान से कम नहीं रहा। हरिद्वार में गंगा स्नान और मंदिर दर्शन के दौरान 23 साल से लापता पिता अचानक दक्षेश्वर महादेव मंदिर में बेटे के सामने आ गए। पल भर में 23 साल की दूरी, बेबसी और इंतजार खत्म हो गया। पिता का चेहरा बदल चुका था, दाढ़ी बढ़ी हुई थी, बाल बिखरे थे, शरीर पर उम्र का असर था, लेकिन बेटे की नजर धोखा नहीं खा सकी।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को अखिलेश यादव से लेकर तेजस्वी तक ने घेरा

धीरेंद्र शास्त्री की कृष्ण पर टिप्पणी से सियासी बवाल,माफी के बाद भी जारी है विवाद



नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में श्री राम कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना को लेकर दिए गए बयान पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भगवान कृष्ण के स्वरूप, उनके खड़े होने और टेढ़े होने को लेकर की गई टिप्पणी के बाद विपक्षी नेताओं ने उन्हें जमकर घेरा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, मानवीय भूलों के लिए तो क्षमा किया जा सकता है, ईशनिंदा के लिए कभी नहीं। ऐसे दुष्मुखी लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना ही समाज के लिए श्रेयस्कर है। पूरे देश में इनके सभी कार्यक्रम रद्द किये जाएं,नई अनुमति नहीं दी जाए और सार्वजनिक जीवन में हर सच्चा सनातनी इनका पूर्ण बहिष्कार करे, यही इनके अक्षम्य पाप का दंड होना चाहिए,नहीं तो वो भी ईशनिंदा के पाप का भागी बनकर अपना लोक-परलोक बिगाड़ लेगा। उन्होंने लिखा, अगर दुर्भावना से भरा ऐसा व्यक्ति जीवन भर भी एकांतवास करके अपने किये का पश्चाताप और प्रायश्चित करेगा तो भी कोई भी धर्म प्रधान आस्थावान उसे माफ नहीं करेगा। मनुष्य का दंभ इतना भी नहीं होना चाहिए कि वो अपने को ईश्वर से ऊपर समझने लगे। वैधानिक कार्रवाई हो। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी एक्स पोस्ट में लिखा,यह बिल्कुल बेतुकी बात है। संत सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के बीच का संवाद, दरअसल, एक ही भगवान विष्णु के अलग-अलग स्वरूपों के प्रति भक्ति का संवाद था। एक अवतार ने वृंदावन के माधुर्य भाव का उत्सव मनाया, तो दूसरे ने अयोध्या की मर्यादा का। उनके बीच का यह विनोद कभी किसी को दूसरे से श्रेष्ठ बताने का माध्यम नहीं बना। यह दर्शाता था कि धनुष और बांसुरी एक ही दिव्य सत्ता के दो अभिन्न रूप हैं। उन्होंने कहा, धीरेंद्र शास्त्री ने ब्रह्मांडीय और दिव्य लीलाओं को घटाकर उसे सामान्य कार्य बता दिया, जिसे कोई भी व्यक्ति कर सकता है। पवित्र त्रिभंगी मुद्रा को टेढ़ापन कहना,उसके गहन आध्यात्मिक सौंदर्य और भाव को छीन लेने जैसा है। महज सनसनी पैदा करने या अपनी बात को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के लिए किसी पवित्र स्वरूप की गरिमा को कमतर नहीं किया जा सकता। कृपया ऐसी बेतुकी बातों का बचाव करना बंद कीजिए। राजद नेता तेजस्वी यादव ने लिखा, लोक एकता की कनिष्ठ अंगुली से इंद्रासन को हिला देने वाले लोकनायक,धार्मिक सीमाओं से परे जन जन के पूज्य,हमारे कुलदेवता भगवान श्री कृष्ण पर सत्ता-पोषित एक मानसिक विक्षिप्त द्वारा की गई टिप्पणी अशोभनीय,अक्षम्य एवं अमर्यादित है। उन्होंने आगे लिखा, राम और कृष्ण एक दूसरे के पूरक हैं। यह नफरती लोग पहले इंसान को बांटते थे,अब भगवान को बांटने लगे। राजनीतिक लोभ में और कितना नीचे गिरेंगे? लोक समता और सनातनी एकता को खंडित करने वाले इस शिखंडी के संरक्षक मोदी जी और तमाम भाजपा नेताओं को सामने आकर देश से,समाज से और सनातनियों से दंडवत होकर माफी मांगनी चाहिए।

धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करें : डीवाई चंद्रचूड़

पूर्व सीजेआई ने गायत्री परिवार द्वारा माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी को किया संबोधित



नई दिल्ली। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करने वाले व्यक्ति संतोष और प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। संसार के सभी प्राणी द्वेष और शत्रुता त्यागकर एक-दूसरे के प्रति मैत्रीभाव विकसित करें। यह विचार देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी एवं अखंड दीप शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह में व्यक्त किए। तीन दिवसीय महोत्सव का समापन ज्ञान यज्ञ की मशाल रैली और विश्व कल्याण के महासंकल्प के साथ हुआ। समारोह में विचार क्रांति, मानवीय एकता, सामाजिक सद्भाव और नवयुग निर्माण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जन्मशताब्दी महोत्सव का समापन युग निर्माण की यात्रा का अंत नहीं, बल्कि गुरुदेव-माताजी के संकल्पों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का अवसर है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने संत ज्ञानेश्वर रचित 'पसायदान' के छंदों का उल्लेख करते हुए मानवीय मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दुष्प्रवृत्तियों के अंत, सत्कर्मों के प्रति अनुराग और सभी प्राणियों के बीच मैत्रीभाव विकसित करने के संदेश की व्याख्या की। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करना मानव जीवन को संतोष और प्रसन्नता से भरता है। सदाचार, परस्पर प्रेम और मानवीय संवेदनाओं को जीवन में उतारना आवश्यक है। संसार के सभी प्राणी एक-दूसरे के प्रति द्वेष और शत्रुता की भावना त्यागकर मित्रवत व्यवहार करें। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि माता भगवती देवी शर्मा का संपूर्ण जीवन सेवा, समर्पण, सादगी और समन्वय की अनुपम मिसाल है। गायत्री परिवार मानवीय मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और समाज कल्याण के आदर्शों से जुड़ा विशाल परिवार है। गुरुदेव-माताजी के तप, त्याग और लोकमंगल के संकल्पों ने इस परिवार को व्यापक सामाजिक चेतना का स्वरूप दिया है। माताजी के जीवन आदर्श आज भी सेवा, सद्भाव और सामूहिक सहयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा दे रहे हैं। विदाई सत्र में 'ज्योति कभी नहीं बुझेगी' विषय पर समारोह के दलनायक एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ.चिन्मय पण्ड्या ने वर्ष 2026 को गायत्री परिवार के लिए 'सौभाग्य का प्रयाग' बताया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष ऐतिहासिक उपलब्धियों, आध्यात्मिक साधना और गुरुदेव-माताजी के संकल्पों के संगम का पावन अवसर है। डॉ. पण्ड्या ने कहा कि 'गायत्री परिवार गुरुदेव का खोया-पाया विभाग है।' गुरुदेव के विचारों और आदर्शों से दूर होती मानवीय चेतना को पुनः जोड़ना तथा उनके संकल्पों को समाज में प्रतिष्ठित करना प्रत्येक गायत्री परिजन का दायित्व है। समापन अवसर पर निकाली गई ज्ञान यज्ञ की मशाल रैली ने विश्व शांति, मानवीय एकता, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक चिंतन का संदेश दिया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन आज जाएंगे गोरखपुर,पदयात्रा में होंगे शामिल

महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज से शुरू होगी पदयात्रा,करेंगे जनसभा को संबोधित



गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के चार और पांच नवंबर को प्रस्तावित गोरखपुर दौरे को लेकर पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत, जनसभा और 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को सफल बनाने के लिए भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर बैठक की गई। इसमें पदयात्रा के मार्ग, सभा स्थल की व्यवस्थाओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ जुटने का आह्वान किया। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन और प्रस्तावित पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी को समन्वय, अनुशासन और पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन चार नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे गोरखपुर पहुंचेंगे। इसके बाद वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज पहुंचेंगे। यहां जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के उपरांत 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी पदयात्रा में शामिल होंगे। पदयात्रा के समापन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एनेक्सी भवन (सर्किट हाउस) में प्रबुद्ध वर्ग की बैठक को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम को जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। दिन के कार्यक्रमों के उपरांत प्रदेश कोर कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी की रणनीति और आगामी कार्यक्रमों से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के दूसरे दिन पांच नवंबर को सुबह गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद वह एनेक्सी भवन में पूर्व प्रदेश पदाधिकारियों, पूर्व क्षेत्रीय पदाधिकारियों और पूर्व जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।

देश के सभी राज्यों की राजधानियों में विदेशी पंजीकरण कार्यालय स्थापित

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2027 तक एफआरआरओ स्थापित करने दिये निर्देश



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में विदेशी नागरिकों के पंजीकरण और आव्रजन संबंधी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालयों (एफआरआरओ) का विस्तार तेज कर दिया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2027 तक सभी राज्यों की राजधानियों में एफआरआरओ स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत देश में एफआरआरओ कार्यालयों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 से अब तक पांच नए एफआरआरओ कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इनमें जयपुर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी में वर्ष 2025 में कार्यालय शुरू किए गए थे। वहीं,इस वर्ष मिजोरम की राजधानी आइजोल और आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में दो नए कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा नगालैंड की राजधानी कोहिमा, त्रिपुरा की राजधानी अगरतला और ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में तीन नए एफआरआरओ कार्यालय अधिसूचित किए गए हैं। पहले जयपुर,चंडीगढ़ और गुवाहाटी क्रमशः दिल्ली,अमृतसर और कोलकाता स्थित एफआरआरओ के अधिकार क्षेत्र में आते थे। इसी तरह आइजोल कोलकाता और अमरावती हैदराबाद स्थित एफआरआरओ के अधीन थे। कोहिमा और अगरतला भी कोलकाता तथा भुवनेश्वर हैदराबाद स्थित कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आते थे। देश में अब 20 एफआरआरओ कार्यालय अहमदाबाद, अमरावती, अमृतसर, आइजोल, अगरतला, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, कालीकट, चेन्नई, कोच्चि, चंडीगढ़, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, कोहिमा, कोझिकोड, लखनऊ,मुंबई और तिरुवनंतपुरम में संचालित हैं। मंत्रालय के अनुसार, बिहार,गोवा, हिमाचल प्रदेश,झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय में भी एफआरआरओ स्थापित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इन कार्यालयों के विस्तार से पर्यटन, चिकित्सा और शिक्षा के उद्देश्य से भारत आने वाले विदेशी नागरिकों को वीजा विस्तार,वीजा रूपांतरण, पंजीकरण और आव्रजन संबंधी अन्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

होटल में अकेले मिलने बुलाया, नंबर लेकर मोबाइल पर भेजे अश्लील मैसेज



ओडिशा के जेल डीजी पर महिला जेलर ने लगाया यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस के डीजी पद की दौड़ में शामिल वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी एवं विवादों में घिरे जेल डीजी सुशांत कुमार नाथ की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न, धमकी देने और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए चौद्वार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह शिकायत चौद्वार सर्किल जेल की पूर्व महिला जेलर ने दर्ज कराई है। आरोप है कि जेल डीजी ने अपने मित्र कुलदीप रथ के जरिए उन्हें दो बार कटक के अलग-अलग होटलों में रात के समय अकेले मिलने के लिए बुलाया था। उनके इनकार करने पर कथित रूप से उन्हें निशाना बनाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इस बीच सोमवार को सुशांत कुमार नाथ का तबादला कर उन्हें गृह विभाग में ओएसडी नियुक्त किया है। प्राथमिकी के मुताबिक 16 जून 2025 को जेल डीजी सुशांत कुमार नाथ चौद्वार सर्किल जेल के दौरे पर आए थे। उस समय महिला जेलर अवकाश पर थीं। 18 जुलाई 2025 को ड्यूटी पर लौटने के बाद जेल अधीक्षक के निर्देश पर उन्होंने जेल डीजी को फोन किया था। बातचीत में सुशांत ने बताया कि उनके मित्र कुलदीप रथ जेल का दौरा करने आने वाले हैं और उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। आरोप है कि कुलदीप रथ चौद्वार जेल पहुंचे और निरीक्षण के बाद महिला जेलर के साथ तस्वीर खिंचवाई। इसके बाद उन्होंने महिला जेलर का मोबाइल नंबर लेकर उन्हें तस्वीर भेजी। शिकायत में कहा गया है कि तस्वीर के साथ कुलदीप ने अश्लील इशारों वाले संदेश भी भेजे थे। महिला जेलर के मुताबिक 29 अगस्त 2025 को कुलदीप ने उन्हें फोन कर कटक के ब्लास्ट नामक रेस्टोरेंट में रात्रिभोज के लिए अकेले आने को कहा। उन्होंने होटल की लोकेशन भी भेजी। महिला जेलर ने जब आने से मना कर दिया तो कुलदीप ने कहा कि सुशांत भाई उनसे अकेले मिलना चाहते हैं। इसके बाद 25 सितंबर 2025 को कुलदीप ने दोबारा फोन कर उन्हें होटल प्रमोद में रात्रिभोज के लिए बुलाया। इस बार भी जेल डीजी की ओर से अकेले मिलने की इच्छा जताए जाने पर उन्होंने इनकार कर दिया। महिला जेलर का आरोप है कि वह सात और आठ सितंबर 2026 को डीजी कार्यालय गई थीं। वहां सुशांत नाथ ने उनसे कहा कि उनके व्यवहार, कुलदीप के जरिए व्यक्तिगत मुलाकात के प्रस्ताव को ठुकराने और जेल अधीक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के कारण उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई है।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के मामले में 19 छात्र किये गये सस्पेंड

जोधपुर। राजस्थान के बाड़मेर में हुई रैगिंग की घटना के तुरंत बाद जोधपुर से भी इसी तरह की एक और घटना सामने आई है। जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जूनियर एमबीबीएस छात्रों के साथ रैगिंग और दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के बाद एक जूनियर रेजिडेंट सहित 19 लोगों को सस्पेंड कर दिया है। एक जूनियर रेजिडेंट समेत 5 छात्रों 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है जबकि बाकी 14 छात्रों को 1 महीने के लिए सस्पेंड किया गया है। सस्पेंशन की अवधि के दौरान इन सभी छात्रों को क्लिनिकल पोस्टिंग, शैक्षणिक गतिविधियों और शैक्षिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। साथ ही, उनके कॉलेज हॉस्टल, लाइब्रेरी और रीडिंग रूम में जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। यह कार्रवाई यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) की एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर मिली एक शिकायत के बाद की गई है। कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमिटी की जांच में आरोपी छात्रों को गंभीर दुर्व्यवहार, अभद्र व्यवहार और जूनियर छात्रों पर अनुचित दबाव डालने का दोषी पाया गया।

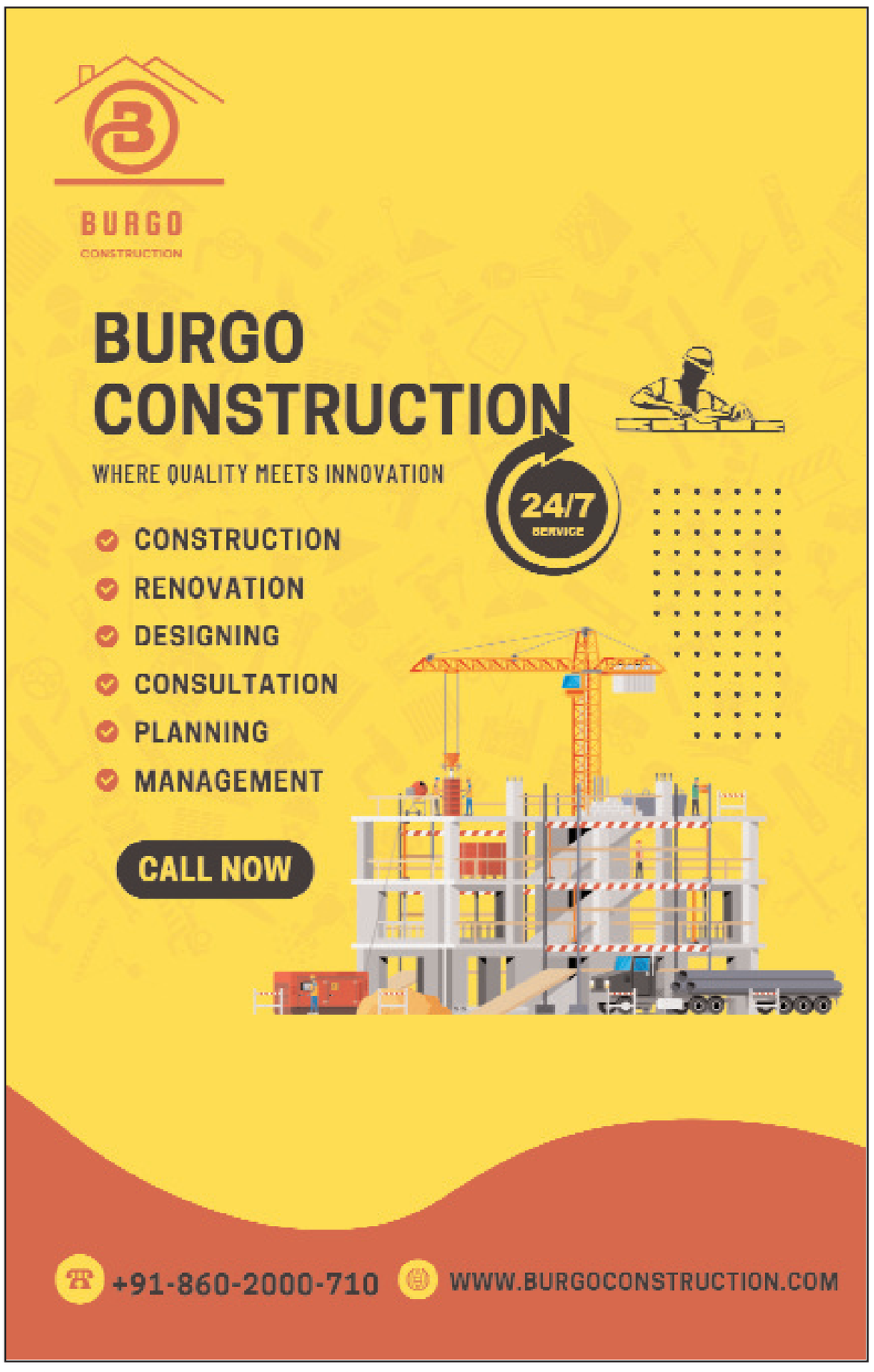

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था। ब्राजील में तमाम चुनाव-पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर- दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्ण गोलबंदी की। उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी 'सुरक्षा नीति' में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आईं कि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इल्जाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

विज्ञान को विकसित भारत की आकांक्षाओं से जोड़ना

डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा। 28 फरवरी 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ये शब्द कहे थे। लगभग दो दशक बाद डॉ. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है। विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं। इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने। यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। अपने दूसरे संस्करण में ईएसटीआईसी वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां कैसे विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? इन सवालों का जवाब कोई एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए वैज्ञानिकों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा, शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से भरे विचारों को परखा और विकसित किया जा सके। ईएसटीआईसी 2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, क्वांटम संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी संभावनाएं हैं, जिनका दायरा प्रयोगशालाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं। सबसे बड़ी चुनौती इन संभावनाओं को व्यावहारिक उपयोग में बदलने की है। किसी वैज्ञानिक खोज में वर्षों का अनुसंधान लग सकता है, लेकिन उसे रोजमर्रा के उपयोग में लाने के लिए अक्सर आगे के परीक्षण, निवेश, इंजीनियरिंग और आपसी सहयोग की जरूरत होती है। हमें इस पूरी प्रक्रिया को मजबूत करना होगा, ताकि अनुसंधान से जुड़े शुरुआती सवाल से लेकर ऐसी तकनीक विकसित करने तक का सफर पूरा हो सके, जो वास्तविक लाभ पहुंचाए। भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाएं अंततः उसके युवाओं की प्रतिभा और कल्पनाशीलता पर निर्भर करेंगी। किसी युवा शोधकर्ता के पास कोई संभावनाशील विचार है, तो उसे उसे प्रस्तुत करने, अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखने और ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए, जो उस विचार को उपयोगी रूप देने में मदद कर सकें। ईएसटीआईसी 2026 'फ्रंटियर्स इन फोकस' सत्रों और 'यंग रिसर्चर्स एंड इनोवेटर्स पिच कॉर्नर' के माध्यम से इस प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। 'नेक्स्ट-जेन डिस्कवरी एक्सपो' में भारत की अनुसंधान क्षमताओं और उभरते डीप-टेक तंत्र को प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि 'इनोवेशन एक्सचेंज हब' तकनीकों और संभावित सहयोग के अवसरों पर संवाद को बढ़ावा देगा। वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता को तेजी से एक-दूसरे का पूरक बनना होगा। विशेष रूप से डीप-टेक उद्यमों को किसी तकनीक को बाजार तक पहुंचाने से पहले अक्सर विशेष बुनियादी ढांचे, धैर्य के साथ किए जाने वाले निवेश और निरंतर सहयोग की आवश्यकता होती है। अनुसंधान संस्थानों के पास वैज्ञानिक विशेषज्ञता है, स्टार्टअप उद्यमशीलता की ऊर्जा लेकर आते हैं, उद्योग जगत उत्पादन संबंधी आवश्यकताओं और बाजार की जरूरतों को समझता है, जबकि निवेशक इस पूरी प्रक्रिया के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करा सकते हैं। जब ये सभी क्षमताएं एक साथ आती हैं, तो अनुसंधान को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में बदलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

> भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है। विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं। इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने।

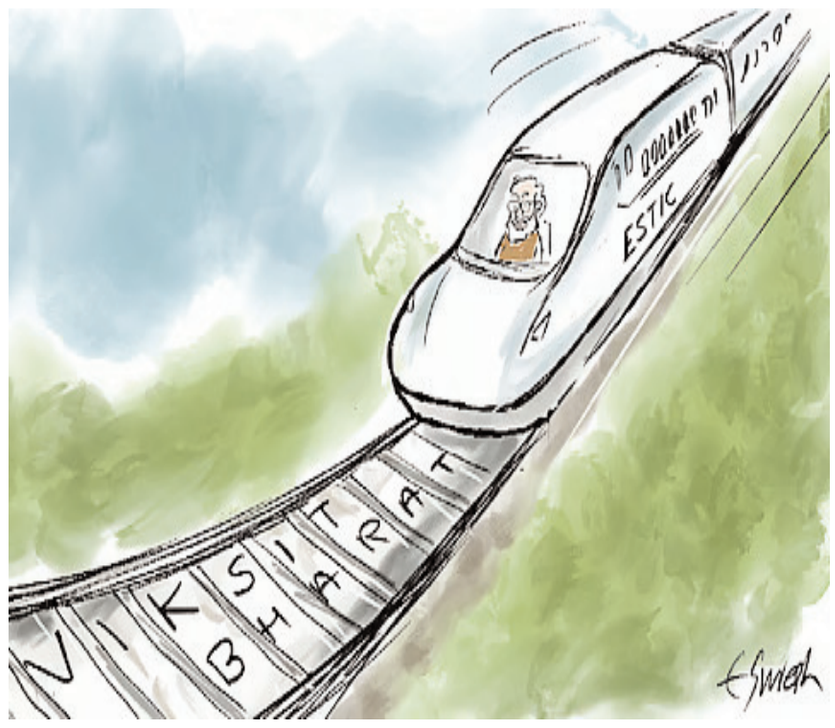

राशिफल



मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज जीवनसाथी के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ेंगी। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को आप नजर अंदाज ना करें और किसी अपरिचित व्यक्ति से बहुत ही सूझबूझ दिखा कर बातचीत करें। आप अपने किसी पुराने वाद विवाद के कारण थोड़े परेशान रहेंगे, जिसमें आपको अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखनी होगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी नए निवेश को करने का मौका मिलेगा। आपको बिजनेस में किसी बड़ी डील को फाइनल करने में धोखा मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में आप पार्टनरशिप में काम ना करें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपको बिजनेस में एक बड़ी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं ।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है किसी संपत्ति में उसके चल व अचल पहलुओं की स्वाधीनता से जांच ले, नहीं तो समस्या हो सकती है। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करेंगे। साथ ही आज अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है।

सिंह राशि :आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति मिलने के संकेत दे रहा है। आज परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी को लेकर आप डिनर डेट पर लेकर जा सकते हैं। आप यदि किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बना रहे थे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी उस एनर्जी को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आज अपनी बात पर कायम रहना होगा, नहीं तो लोग आपको किसी मामले में झूठा साबित कर सकते हैं और व्यापार में आपके लिए गए निर्णय से आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखने का प्रयास करेंगे। बच्चों से आज अपने मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलने से आपकी प्रशंसा का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पारिवारिक समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। आज आप किसी सामाजिक काम का हिस्सा बनेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आप अपने विचारों से कार्यक्षेत्र में माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपको कुछ मतभेदों से दूर रहना होगा। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज काम-धंधे पर ज्यादा ध्यान देंगे। जहां तक हो सके, सकारात्मक और कॉन्फिडेंट रहें। आपके जरूरी कामकाज आज निपट सकते हैं। आज आस-पास के लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए आप विचार करेंगे, लेकिन आप किसी यात्रा पर जाते समय अपने कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्यक करें और मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आपको जीत मिलेगी।

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान

गांव की पगडंडियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है। साइकिल नहीं, शिक्षा तक पहुंच आसान करने का माध्यम छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है। पहले पैदल पहुंचती थीं स्कूल, अब बच रहा समय शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं बताती हैं कि साइकिल मिलने से पहले उन्हें स्कूल आने-जाने के लिए पैदल चलना पड़ता था। इससे काफी समय लगता था और थकान भी होती थी। गर्मी, बारिश और ठंड के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब साइकिल से वे कम समय में विद्यालय पहुंच रही हैं। समय पर स्कूल पहुंचने के साथ घर लौटने में भी कम समय लग रहा है। छात्राओं



का कहना है कि आने-जाने में बचने वाला समय अब पढ़ाई और घर के अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग हो रहा है। रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव का अनुभव बताता है कि आवागमन की एक सुविधा छात्राओं की रोजमर्रा की पढ़ाई को कितना आसान बना सकती है। अब उन्हें स्कूल पहुंचने के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत भी कम हुई है। अब समय पर स्कूल पहुंचते हैं, पढ़ाई के लिए भी मिलता है ज्यादा समय छात्राओं ने बताया कि साइकिल मिलने के बाद विद्यालय तक आने-जाने में काफी सुविधा हुई है। पहले पैदल चलने में अधिक समय और श्रम लगता था। अब कम समय में स्कूल पहुंचने से नियमित पढ़ाई में मदद मिल रही है। उनका कहना है कि साइकिल से आने-जाने में समय की बचत होने के कारण पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय मिलता है। घर के जरूरी काम और पढ़ाई के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी आसानी हुई है। इस सुविधा से विद्यालय जाने का उत्साह भी बढ़ा है और वे आगे मन लगाकर पढ़ाई करते हुए उच्च शिक्षा हासिल करना चाहती हैं। बेटियों के आत्मविश्वास को भी मिली नई ताकत सरस्वती साइकिल योजना का प्रभाव केवल स्कूल तक की दूरी कम करने तक सीमित नहीं है। स्वयं साइकिल चलाकर विद्यालय जाना छात्राओं को अपने दैनिक आवागमन में अधिक आत्मनिर्भर भी बना रहा है। पहले जहां कई छात्राओं को पैदल चलना पड़ता था या किसी परिजन पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे स्वयं स्कूल पहुंच रही हैं। छात्राओं के लिए यह अनुभव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला भी है। अपनी राह स्वयं तय कर स्कूल तक पहुंचना उन्हें आगे बढ़ने और अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। बालिका शिक्षा को मिल रहा मजबूत आधार किसी भी समाज की प्रगति में बालिका शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय तक पहुंच जितनी आसान होगी, छात्राओं के लिए नियमित रूप से शिक्षा से जुड़े रहना उतना ही सुविधाजनक होगा। दूरस्थ क्षेत्रों में साइकिल जैसी व्यक्तिगत आवागमन सुविधा इसी आवश्यकता को पूरा करने में मदद करती है। स्कूल की दूरी और परिवहन की परेशानी कम होने से छात्राओं को अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलता है। माध्यमिक शिक्षा से लगातार जुड़ी रहने वाली छात्राएं आगे उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों की ओर कदम बढ़ा सकती हैं। एक शिक्षित बेटी, परिवार और समाज की ताकत एक बेटी की शिक्षा का प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित नहीं रहता। शिक्षित बालिका आगे चलकर परिवार में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और आर्थिक निर्णयों के प्रति अधिक जागरूक भूमिका निभा सकती है। इस तरह बेटियों की शिक्षा में किया गया सहयोग आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की नींव भी तैयार करता है। शिक्षा बालिकाओं को अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पढ़ाई से लगातार जुड़ाव उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देता है। शिक्षा से मजबूत होती है बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बालिकाओं का लगातार विद्यालय और शिक्षा से जुड़े रहना उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा उन्हें अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और जीवन में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देती है। इससे कम उम्र में विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। जब बेटियां अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं और उच्च शिक्षा तथा भविष्य के लक्ष्य तय करती हैं, तब शिक्षा उनके जीवन में प्राथमिकता के रूप में मजबूत होती है। इसलिए विद्यालय तक उनकी सुगम पहुंच केवल आवागमन का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भर भविष्य से भी जुड़ी है। साइकिल के पहियों पर आगे बढ़ रहे बेटियों के सपने शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राओं के लिए सरस्वती साइकिल योजना से मिली साइकिल स्कूल आने-जाने का साधन होने के साथ समय की बचत, आत्मविश्वास और आगे पढ़ने की आकांक्षा से भी जुड़ गई है। छात्राओं का कहना है कि स्कूल तक पहुंच आसान होने से पढ़ाई जारी रखने का उत्साह बढ़ा है और वे उच्च शिक्षा हासिल कर अपने सपनों को पूरा करना चाहती हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच इन छात्राओं का अनुभव बताता है कि शिक्षा की राह में आने वाली छोटी-छोटी व्यावहारिक बाधाओं को दूर करने वाली पहल किस तरह बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर दे सकती है। आज साइकिल के पैडल के साथ स्कूल की ओर बढ़ते उनके कदम शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भी बढ़ रहे हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

मूली फटने से हैं परेशान? जानें इसके कारण और समाधान

मूली एक तेजी से बढ़ने वाली सब्जी है, लेकिन थोड़ी-सी लापरवाही से इसकी जड़ें फट सकती हैं। फटी हुई मूली न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि उसका स्वाद और कोमलता भी कम हो जाती है। इसलिए मूली में दरार पड़ने के कारण और उपाय जानना जरूरी है। अच्छी बात यह है कि सही सिंचाई, संतुलित पोषण और समय पर देखभाल अपनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि मूली फटने के कारण क्या हैं , मूली क्रैक होने से कैसे बचाएं और मूली में दरार पड़ने पर क्या करें, तो इस आर्टिकल में आपको आसान और असरदार उपाय बताए गए हैं, ताकि आप अपने गार्डन से स्वस्थ, मुलायम और अच्छी क्वालिटी वाली मूली प्राप्त कर सकें।



मूली फटने के प्रमुख कारण क्या हैं

आमतौर पर मूली फटने की समस्या कई कारणों से होती है, जिनमें से कुछ प्रमुख कारण निम्न हैं-

- ठीक से सिंचाई न करना - लंबे समय तक मिट्टी सूखी रहने के बाद अचानक अधिक पानी देने से जड़ तेजी से फैलती है, जिससे मूली में दरारें पड़ जाती हैं।
- समय पर खुदाई न करना - तैयार होने के बाद भी मूली को अधिक दिनों तक मिट्टी में छोड़ने से उसकी जड़ जरूरत से ज्यादा बढ़ जाती है और फटने लगती है।
- नाइट्रोजन की अधिक मात्रा - जरूरत से ज्यादा नाइट्रोजन देने पर जड़ों की वृद्धि असंतुलित हो जाती है, जिससे मूली के फटने की संभावना बढ़ जाती है।
- पोटाश की कमी - पोटाश की कमी से जड़ें मजबूत नहीं बन पातीं, इसलिए बढ़ते समय उन पर दरारें आने का खतरा अधिक रहता है।
- सख्त या भारी मिट्टी - कड़ी और चिकनी मिट्टी में जड़ों को फैलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती, जिससे दबाव बढ़ने पर मूली फट सकती है।
- अधिक तापमान - अधिक गर्म मौसम में मूली की सामान्य वृद्धि प्रभावित होती है, जिसके कारण जड़ें कमजोर होकर फटने लगती हैं।
- पौधों के बीच कम दूरी - बहुत पास-पास लगाए गए पौधों में पोषण और जगह की कमी होने से जड़ों का विकास प्रभावित होता है और फटने की समस्या बढ़ जाती है।
- अनियमित बढ़वार - यदि किसी कारण से कुछ दिनों तक वृद्धि रुक जाए और बाद में अचानक तेजी से बढ़े, तो जड़ पर दबाव बढ़ने से दरारें पड़ सकती हैं।
- देर से बुवाई - अनुकूल मौसम निकल जाने के बाद बुवाई करने पर पौधों को अधिक तापमान का सामना करना पड़ता है, जिससे मूली की गुणवत्ता खराब होती है और जड़ फट सकती है।

मूली फटने की समस्या से बचने के लिए क्या करें

गार्डन में मूली उगाने में काफी समय और मेहनत लगती है, लेकिन जब खुदाई के समय मूली फटी हुई निकलती है, तो सारी मेहनत बेकार लगने लगती है। हालांकि, सही देखभाल और कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है। आप इस समस्या को निम्न तरीकों से कम कर सकते हैं, जैसे-

1. नियमित सिंचाई करें मूली की जड़ें तभी अच्छी तरह विकसित होती हैं, जब मिट्टी में नमी लगातार बनी रहे। कई दिनों तक गार्डन या गमले की मिट्टी सूखी रहने के बाद अचानक बहुत अधिक पानी देने से जड़ तेजी से फैलती है और उस पर दबाव बढ़ने से दरारें पड़ जाती हैं। इसलिए हल्की लेकिन नियमित सिंचाई करें, ताकि नमी एक समान बनी रहे। गर्म मौसम में मिट्टी की नमी पर विशेष ध्यान दें। यदि आप मूली की देखभाल सही तरीके से करते हैं और पानी देने का नियमित समय तय रखते हैं, तो जड़ें मुलायम, सीधी और बिना फटी हुई विकसित होती हैं।
2. समय पर मूली की खुदाई करें अधिकांश लोग मूली तैयार होने के बाद भी उसे लंबे समय तक मिट्टी में छोड़ देते हैं। इससे जड़ का आकार जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है और वह फटने लगती है। हर किस्म की मूली का तैयार होने का समय अलग होता है, इसलिए बीज के पैकेट पर दी गई अवधि का ध्यान रखें। जब मूली पूरी तरह विकसित हो जाए, तो उसे तुरंत निकाल लें।
3. संतुलित उर्वरकों का यूज करें मूली की अच्छी बढ़वार के लिए केवल नाइट्रोजन देना पर्याप्त नहीं होता। यदि मिट्टी में नाइट्रोजन अधिक और पोटाश या फॉस्फोरस कम हो जाए, तो जड़ों का विकास असंतुलित हो जाता है, जिससे उनके फटने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मिट्टी की जरूरत के अनुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें। अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिलाना लाभदायक रहता है। सही पोषण मिलने पर मूली की अच्छी पैदावार के साथ जड़ें मजबूत और चिकनी बनती हैं तथा उनमें दरारें आने की संभावना काफी कम हो जाती है।
4. भुरभुरी और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी चुनें मूली हमेशा ऐसी मिट्टी में लगानी चाहिए जो हल्की, भुरभुरी और पानी निकालने की अच्छी क्षमता रखती हो। भारी या सख्त मिट्टी में जड़ों को फैलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती, जिससे उनका आकार बिगड़ सकता है और दरारें पड़ सकती हैं। यदि आपकी मिट्टी चिकनी है, तो उसमें रेत, कम्पोस्ट या जैविक खाद मिलाकर उसे हल्का बनाएं।
5. पौधों के बीच उचित दूरी रखें मूली के पौधों को बहुत पास-पास लगाने से उनकी जड़ों को फैलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती। इसके कारण पौधों के बीच पानी, पोषक तत्वों और धूप के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है, जिससे जड़ों का विकास प्रभावित होता है। बुवाई के बाद आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पौधों को निकालकर उचित दूरी बनाए रखें। सामान्यत: पौधों के बीच 8-10 सेमी की दूरी रखना बेहतर माना जाता है।
6. सही मौसम में बुवाई करें मूली ठंडे और हल्के मौसम की सब्जी है। बहुत अधिक गर्मी या मौसम में अचानक बदलाव होने पर जड़ों की वृद्धि असंतुलित हो सकती है, जिससे उनके फटने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपने क्षेत्र के अनुसार सही समय पर बीज बोएँ। समय पर की गई बुवाई से पौधों को अनुकूल तापमान मिलता है और जड़ों का विकास समान रूप से होता है। यदि आप मूली में दरार प?ने से बचना चाहते हैं, तो मौसम का सही चुनाव सबसे आसान और प्रभावी तरीकों में से एक है।
7. मिट्टी में मल्चिंग करें मल्चिंग करने से मिट्टी की नमी लंबे समय तक बनी रहती है और तापमान भी संतुलित रहता है। इसके लिए सूखी घास, पत्तियां, भूसा या जैविक मल्च का उपयोग किया जा सकता है। इससे बार-बार सिंचाई की आवश्यकता कम होती है और मिट्टी जल्दी भी नहीं सूखती। नमी में बार-बार होने वाले उतार-चढ़ाव से जड़ों के फटने की संभावना बढ़ती है, जबकि मल्चिंग इस समस्या को काफी हद तक
8. खरपतवार हटाएं गार्डन या गमले में उगने वाली खरपतवार मूली के पौधों से पानी, पोषक तत्व और जगह छीन लेती है। इससे पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है और जड़ों का विकास असमान हो सकता है। इसलिए नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहें और मिट्टी को हल्का ढीला भी करते रहें। साफ और खरपतवार रहित गार्डन में पौधों को पर्याप्त पोषण मिलता है, जिससे वे स्वस्थ तरीके से बढ़ते हैं।
9. सही किस्म चुनें हर क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी अलग होती है, इसलिए मूली की किस्म का चयन भी उसी के अनुसार करना चाहिए। यदि गर्म क्षेत्र में ठंडे मौसम वाली किस्म लगा दी जाए या स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल किस्म न चुनी जाए, तो जड़ों का विकास प्रभावित हो सकता है और उनके फटने की संभावना बढ़ जाती है। बीज खरीदते समय प्रमाणित और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज ही लें। अच्छी मूली कैसे उगाएं, इसका पहला कदम सही किस्म का चुनाव है, क्योंकि स्वस्थ पौधे ही समान आकार, बेहतर स्वाद और अच्छी गुणवत्ता वाली जड़ें देते हैं।
10. जैविक खाद का उपयोग करें रासायनिक उर्वरकों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अपने गार्डन या गमले की मिट्टी में अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, कम्पोस्ट या वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करें। जैविक खाद मिट्टी की संरचना में सुधार करती है, नमी बनाए रखती है और जड़ों को धीरे-धीरे आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराती है। इससे जड़ों की वृद्धि संतुलित रहती है और उनके फटने की संभावना कम हो जाती है। मूली की बेहतर पैदावार के लिए जैविक खाद एक प्राकृतिक और टिकाऊ विकल्प है, जो लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता भी बनाए रखती है।

बिना जानकारी के उर्वरक डालने से मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ सकता है। इसलिए यदि संभव हो, तो बुवाई से पहले मिट्टी की जांच कराएं और जरूरत के अनुसार खाद व उर्वरक डालें, ताकि जड़ों का विकास संतुलित रहे।

निष्कर्ष

मूली का फटना एक सामान्य समस्या है, लेकिन सही सिंचाई, संतुलित पोषण, उपयुक्त मिट्टी, समय पर खुदाई और नियमित देखभाल अपनाकर इसे आसानी से रोका जा सकता है। यदि शुरुआत से ही सही तरीके अपनाए जाएं, तो मूली की जड़ें स्वस्थ, मुलायम, बिना दरार वाली और अच्छी गुणवत्ता की प्राप्त होती हैं।

मिर्च की पत्तियों पर लगते हैं सफेद कीड़े एआई की मदद से पौधों की बीमारी कैसे पहचानें



गार्डन में लगी मिर्च के हरे-भरे प्लांट को देखकर खुशी होती है, लेकिन जब इन्हीं पत्तियों पर सफेद रंग के छोटे-छोटे कीड़े नजर आने लगें, तो परेशानी बढ़ सकती है। कई लोग शुरुआत में इन्हें सामान्य कीट समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ने पर पौधे की पत्तियां कमजोर दिखने लगती हैं। पत्तियों का रंग फीका पड़ना, उनका मुड़ना और बढ़वार रुकना भी इस समस्या के साथ दिखाई दे सकता है। मिर्च की पत्तियों पर सफेद कीड़े/कीट लगने के कारण केवल एक नहीं, बल्कि कई हो सकते हैं। इसलिए सही कारण का पता लगाना जरूरी है, ताकि समस्या बढ़ने से पहले उसे रोका जा सके। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि, मिर्च के पौधे पर सफेद कीड़े लगने के पीछे कौन-कौन से कारण जिम्मेदार होते हैं और ये समस्या पौधे पर किस तरह बढ़ती है। गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे मिर्च में सफेद कीट लगने के प्रमुख कारण निम्न हैं, जैसे-

1. पत्तियों में रस की अधिकता मिर्च के पौधे की कोमल पत्तियों में पोषक तत्व और रस की मात्रा अधिक होने पर रस चूसने वाले कीटों के लिए वहां भोजन आसानी से उपलब्ध हो जाता है। खासकर तेजी से बढ़ रही नई पत्तियां इन कीटों को ज्यादा आकर्षित कर सकती हैं। सफेद मक्खी जैसे कीट पत्तियों की सतह पर बैठकर उनका रस चूसते हैं। लगातार रस निकलने से पौधे की पत्तियों की सामान्य मजबूती प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति में पत्तियों पर छोटे सफेद कीटों का जमाव दिखाई देने लगता है।
2. नई और कोमल पत्तियों की ज्यादा ग्रोथ पौधों में जब बहुत तेजी से नई और कोमल पत्तियां निकलती हैं, तो ऐसी बढ़वार रस चूसने वाले कीटों के लिए आकर्षक हो सकती है। नई पत्तियों का ऊतक पुरानी पत्तियों की तुलना में नरम होता है और उनमें पौधे का रस भी सक्रिय रूप से प्रवाहित होता रहता है। इसी कारण सफेद मक्खी जैसे कीट अक्सर नई बढ़वार के आस-पास अधिक दिखाई दे सकते हैं। अगर पौधे पर एक साथ बहुत सारी कोमल पत्तियां विकसित हो रही हों, तो कीटों के लिए भोजन और आश्रय दोनों बढ़ जाते हैं।
3. पौधे में फूल आने का समय मिर्च के पौधे में फूल आने और नई बढ़वार बनने के समय पौधे की गतिविधियां काफी सक्रिय रहती हैं। इस अवस्था में नई कोमल पत्तियां, फूलों के आस-पास के हिस्से और नरम तने कई छोटे कीटों के लिए आकर्षक हो सकते हैं। सफेद मक्खियां भी सक्रिय पौधों पर आसानी से अपना स्थान बना सकती हैं। फूल आने के दौरान पौधे की हरी बढ़वार अधिक होने के कारण कीटों को भोजन और छिपने की जगह मिल सकती है।
4. शहद जैसा चिपचिपा पदार्थ जमा होना सफेद मक्खी जैसे रस चूसने वाले कीट पौधे का रस ग्रहण करते समय एक मीठा चिपचिपा पदार्थ छोड़ते हैं, जिसे हनीड्यू कहा जाता है। यह पदार्थ पत्तियों की सतह पर जमा हो सकता है और पत्तियों को असामान्य रूप से चिपचिपा बना देता है। ऐसी स्थिति में पत्तियों पर धूल चिपकने लगती है और काली फफूंद जैसी परत भी विकसित हो सकती है। चिपचिपी पत्तियां इस बात का संकेत हो सकती हैं कि पौधे पर रस चूसने वाले कीट पहले से मौजूद हैं।
5. पत्तियों पर धूल की मोटी परत मिर्च के पौधे की पत्तियों पर लंबे समय तक धूल की मोटी परत जमा रहने से पत्तियों की सामान्य सतह प्रभावित हो सकती है। धूल के साथ कीटों द्वारा छोड़ा गया चिपचिपा पदार्थ भी जमा हो जाए, तो पत्तियां और अधिक गंदी दिखाई देने लगती हैं। ऐसी सतह पर सफेद मक्खी या छोटे कीटों की मौजूदगी पहचानना भी मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा धूल से ढकी पत्तियों के नीचे छिपे कीट आसानी से नजर नहीं आते और उनकी संख्या बढ़ती रहती है।
6. बार-बार एक ही जगह पर मिर्च लगाना एक ही जगह पर लगातार मिर्च के पौधे उगाने से उस क्षेत्र में मिर्च से जुड़े कीटों के लिए लगातार भोजन उपलब्ध रहता है। पौधे समाप्त होने के बाद भी कुछ कीट आस-पास के पौधों, खरपतवार या मिट्टी के पास मौजूद वनस्पति पर बने रह सकते हैं। अगली बार मिर्च के नए पौधे लगाए जाने पर उन्हें दोबारा भोजन का स्रोत मिल जाता है।
7. कीटों को आकर्षित करने वाले खरपतवार मिर्च के आस-पास मौजूद कुछ खरपतवार केवल अनचाही वनस्पति नहीं होते, बल्कि वे कई रस चूसने वाले कीटों के लिए वैकल्पिक मेजबान पौधे का काम कर सकते हैं। सफेद मक्खियां और दूसरे छोटे कीट पहले इन खरपतवारों पर मौजूद रह सकते हैं और बाद में पास के मिर्च के पौधों तक पहुंच सकते हैं। खासकर जब गार्डन या बालकनी गार्डन में कई प्रकार की हरी वनस्पतियां एक साथ मौजूद हों, तो कीटों के लिए भोजन के विकल्प बढ़ जाते हैं।
8. पुरानी संक्रमित पत्तियों का पौधे पर बने रहना अगर मिर्च के पौधे की कुछ पत्तियों पर पहले से सफेद कीट मौजूद हों और वे पत्तियां लंबे समय तक पौधे पर बनी रहें, तो संक्रमण का स्रोत भी वहीं बना रहता है। पत्तियों की निचली सतह पर मौजूद कीट धीरे-धीरे आस-पास की नई पत्तियों तक फैल सकते हैं। कई बार शुरुआती अवस्था में कुछ ही पत्तियां प्रभावित होती हैं, इसलिए समस्या गंभीर नहीं लगती। लेकिन संक्रमित पत्तियां पौधे पर बनी रहने से कीटों को लगातार भोजन और रहने की जगह मिलती रहती है।
9. पौधे में पोषक तत्वों का असंतुलन मिर्च के पौधे में पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ने पर उसकी बढ़वार और पत्तियों की बनावट प्रभावित हो सकती है। किसी पोषक तत्व की अधिकता या कमी के कारण पौधे पर असामान्य नई बढ़वार, कमजोर पत्तियां या रंग में बदलाव दिखाई दे सकता है। विशेष रूप से अत्यधिक नाइट्रोजन से कोमल हरी बढ़वार बढ़ सकती है, जो रस चूसने वाले कीटों के लिए आकर्षक होती है।
10. मिर्च के पास संवेदनशील पौधे होना मिर्ची के पौधों के आस-पास अगर ऐसे पौधे बड़ी संख्या में मौजूद हों जिन पर सफेद मक्खी या अन्य रस चूसने वाले कीट आसानी से पनपते हैं, तो वे कीटों के लिए लगातार आश्रय और भोजन का स्रोत बन सकते हैं। एक पौधे पर संख्या बढ़ने के बाद कीट आस-पास की दूसरी वनस्पतियों तक फैल सकते हैं। हवा, पौधों के आपस में संपर्क और सामान्य कीट गतिविधि के कारण उनका फैलाव धीरे-धीरे बढ़ सकता है। इसलिए मिर्च के पौधे पर सफेद कीड़े दिखाई देने का संबंध केवल उसी पौधे से होना जरूरी नहीं है। मिर्च की पत्तियों पर सफेद कीड़े लगने की समस्या किस तरह बढ़ती है गार्डन में लगे मिर्ची के पौधों पर सफेद कीड़ों का प्रकोप धीरे-धीरे बढ़ सकता है और पूरे पौधे में फैल सकता है। आइए जानते हैं, यह समस्या कैसे पौधों में तेजी से बढ़ती है।

- शुरुआत में कुछ कीट दिखाई देते हैं ङ्क शुरुआत में सफेद कीट पत्तियों की निचली सतह पर कम संख्या में दिखाई देते हैं, इसलिए इनका प्रकोप नजरअंदाज हो सकता है।
- कीटों की संख्या तेजी से बढ़ती है ङ्क अनुकूल मौसम मिलने पर सफेद कीट तेजी से बढ़ते हैं और कुछ ही समय में कई पत्तियों पर फैल जाते हैं।
- पत्तियों का रस चूसते हैं ङ्क ये कीट पत्तियों से रस चूसकर पौधे को कमजोर करते हैं, जिससे पत्तियों की चमक और हरियाली कम होने लगती है।
- पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं ङ्क लगातार रस चूसने से प्रभावित पत्तियों में पीलापन दिखाई देने लगता है और उनकी बढ़वार भी प्रभावित हो सकती है।
- काली फफूंद की परत बनने लगती है ङ्क चिपचिपे पदार्थ पर धूल और फफूंद जमने से पत्तियों की सतह पर काली परत दिखाई दे सकती है।
- पूरे पौधे में फैलाव होने लगता है ङ्क धीरे-धीरे कीट एक पत्ती से दूसरी पत्ती तक पहुंचते हैं और गंभीर स्थिति में पूरे पौधे को प्रभावित कर सकते हैं।



पौधों में बीमारी की सही पहचान समय पर हो जाए, तो उन्हें जल्दी ठीक किया जा सकता है और पौधों या गार्डन को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए पत्तियों के धब्बे, रंग बदलना या कीटों के लक्षण देखकर बीमारी पहचानना आसान नहीं होता। ऐसे में,ङ्क (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक स्मार्ट सहायक बनकर सामने आया है। अब आप केवल मोबाइल से पौधे की साफ फोटो खींचकर कुछ ही सेकंड में उसकी संभावित बीमारी, कमी या कीट की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि,ङ्क की मदद से पौधों की बीमारी कैसे पहचानें और पौधों की बीमारी पहचानने वाले ङ्क ऐप्स कौन-से हैं।

पौधों की बीमारी पहचानने के लिए AI का इस्तेमाल कैसे करें?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से आप केवल पौधे की तस्वीर लेकर उसकी संभावित बीमारी की पहचान आसानी से कर सकते हैं। इसके तरीके बहुत आसान हैं, जो नीचे दिए गए हैं-

1. पौधे के रोगग्रस्त हिस्से की साफ फोटो लें पौधों की बीमारी की सही पहचान करने के लिए सबसे पहले उनकी साफ और स्पष्ट तस्वीर लेना जरूरी है। कोशिश करें कि पत्तियों, तने, फूल या फल पर दिखाई देने वाले धब्बे, सड़न, छेद या रंग में बदलाव साफ नजर आएं। तस्वीर दिन के उजाले में लें और धुंधली फोटो से बचें। यदि पौधे के कई हिस्सों में समस्या है, तो हर हिस्से की अलग-अलग तस्वीर लें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पौधों की पहचान तभी बेहतर तरीके से काम करती है, जब उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।
2. भरोसेमंद AI आधारित माध्यम चुनें आज कई ऐसे मोबाइल माध्यम और वेबसाइट उपलब्ध हैं, जो पौधों की बीमारी पहचानने में मदद करते हैं। लेकिन हर माध्यम की सटीकता समान नहीं होती। इसलिए हमेशा ऐसे माध्यम का उपयोग करें, जो नियमित रूप से अपडेट होता हो और जिसमें पौधों से जुड़ा बड़ा डाटा मौजूद हो। पौधों की बीमारी पहचानने वाला माध्यम चुनते समय उसकी विश्वसनीयता और उपयोगकर्ताओं के अनुभव भी देख सकते हैं।
3. प्रभावित हिस्से की फोटो अपलोड करें तस्वीर लेने के बाद उसे चुने गए माध्यम पर अपलोड करें। यदि केवल पत्तियां प्रभावित हैं तो उनकी तस्वीर भेजें, जबकि तने या फल में समस्या हो तो उनकी भी अलग तस्वीर जोड़ें। इससे प्रणाली को बीमारी के लक्षण समझने में आसानी होती है। पौधों के रोग की डिजिटल पहचान के लिए जितनी स्पष्ट और अलग-अलग तस्वीरें होंगी, परिणाम उतने ही बेहतर मिलने की संभावना रहती है।
4. मिली हुई रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ें तस्वीर अपलोड करने के बाद कुछ ही समय में बीमारी से जुड़ी जानकारी सामने आ जाती है। इसमें संभावित रोग, उसके लक्षण, कारण और बचाव के उपाय दिए जा सकते हैं। केवल बीमारी का नाम देखकर उपचार शुरू न करें, बल्कि पूरी जानकारी ध्यान से पढ़ें। पौधों की बीमारी की ऑनलाइन जांच से मिली रिपोर्ट को समझना सही निर्णय लेने में मदद करता है और अनावश्यक दवाओं के उपयोग से बचाता है।
5. बीमारी की पुष्टि जरूर करें कृत्रिम बुद्धिमत्ता काफी उपयोगी है, लेकिन हर बार उसका परिणाम पूरी तरह सही हो, यह जरूरी नहीं है। यदि पौधा बहुत कीमती है या बीमारी तेजी से फैल रही है, तो किसी कृषि विशेषज्ञ या अनुभवी माली से भी सलाह लें। कई बार अलग-अलग बीमारियों के लक्षण एक जैसे दिखाई देते हैं। पौधों के रोग की सही पहचान करने के लिए विशेषज्ञ की राय लेना सुरक्षित विकल्प माना जाता है।
6. बताए गए इलाजों को अच्छी तरह समझें बीमारी की पहचान के बाद कई माध्यम से उपचार और बचाव के तरीके भी बताते हैं। इनमें जैविक उपाय, उचित दवा, पोषक तत्वों की सुरक्षा और देखभाल से जुड़ी सलाह शामिल हो सकती है। किसी भी दवा का इस्तेमाल करने से पहले उसकी मात्रा और इस्तेमाल का तरीका जरूर समझ लें।
7. इलाजों के बाद पौधे पर नजर रखें दवा या उपचार करने के बाद पौधे की स्थिति पर लगातार नजर रखें। देखें कि नई पत्तियां स्वस्थ निकल रही हैं या नहीं और बीमारी आगे तो नहीं बढ़ रही। जरूरत पड़ने पर दोबारा तस्वीर लेकर जांच कर सकते हैं। पौधों के स्वास्थ्य की नियमित जांच करने से बीमारी दोबारा फैलने से पहले ही उसका पता लगाया जा सकता है और समय पर उपाय किए जा सकते हैं।
8. अच्छी देखभाल के साथ सुझाव अपनाएं सिर्फ बीमारी की पहचान लेना ही पर्याप्त नहीं है। पौधों को सही मात्रा में पानी, धूप, खाद और हवा भी मिलनी चाहिए। यदि देखभाल सही नहीं होगी, तो बीमारी दोबारा लौट सकती है। बीमारी के कारणों को समझकर अपनी बागवानी की आदत में सुधार करें। स्मार्ट पौधों की देखभाल रोपण से पौधे लंबे समय तक स्वस्थ और हरे-भरे बने रहते हैं।
9. लक्षणों की गिनती में तुलना करें यदि जांच में एक से अधिक संभावित बीमारियां दिखाई दें, तो उनके लक्षणों की तुलना करें। पौधों का रंग, धब्बों का आकार, तने की स्थिति और मिट्टी की नमी को ध्यान से देखें। इससे सही बीमारी संपर्क में आसानी होती है।
10. पौधों का रिकॉर्ड बनाकर रखें हर बार बीमारी, उपचार और उसके परिणाम की जानकारी लिखकर रखें। यदि संभव हो तो समय-समय पर तस्वीरें भी सुरक्षित रखें। इससे भविष्य में वही समस्या दोबारा आने पर पहचान आसान हो जाती है। पौधों की देखभाल का रिकॉर्ड रखने से बागवानी अधिक व्यवस्थित होती है और उपचार की सफलता का आकलन भी किया जा सकता है।
11. ऐप्स को अपडेट करते रहें बीमारी संपर्क वाले ज्यादातर माध्यम से समय-समय पर नई जानकारी जोड़ते रहते हैं। इसलिए उनका नवीनतम संस्करण इस्तेमाल करना चाहिए। इससे नई बीमारियों और फसलों की पहचान पहले की तुलना में अधिक सटीक होती है।
12. AI को सहायक वर्ण, अंतिम निर्णय नहीं कृत्रिम विकासशील पौधों की बीमारी परिचित का एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसे अंतिम निर्णय नहीं लेना चाहिए। कई बार मौसम, मिट्टी, पानी और स्थानीय परिस्थितियों के कारण भी पौधों में बदलाव दिखाई देते हैं। यदि समस्या गंभीर हो या तेजी से फैल रही हो, तो कृषि विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। आधुनिक तकनीक से पौधों की सुरक्षा तभी सबसे अधिक सफल होती है, जब उसे अनुभव और सही देखभाल के साथ अपनाया जाए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सत्ता सुख के लिए विरोधी आइजनकोट से गठबंधन की संभावना तलाश रहे हैं नेतन्याहू

अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों को सत्ता से बाहर रखने की कोशिश

तेल अवीव। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद सरकार गठन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिलने से राजनीतिक दांवपेच और गठबंधन की कोशिशें तेज हुई हैं। इस बीच चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसके मुताबिक निवर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने धुर विरोधी गादी आइजनकोट के साथ गठबंधन कर सकते हैं, ताकि सत्ता में अपनी पकड़ बनाए रख सकें। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू याशर पार्टी के नेता आइजनकोट के साथ गठबंधन सरकार बनाने की संभावनाओं पर काम कर रहे हैं। यह खबर तब सामने आई है जब



नेतन्याहू की लिकुड पार्टी सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी भी योजना से इंकार कर चुकी है। हालांकि, लिकुड पार्टी के कुछ करीबी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री अपने सभी विकल्पों को खुला रख रहे हैं और हर संभव विकल्प पर गौर कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को आशंका है कि आइजनकोट उन्हें सत्ता से बेदखल करने के लिए अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों और अति-रूढ़िवादी गुटों के साथ हाथ मिला सकते हैं। इजराइली संसद नेसेट में 120 सीटें हैं, और बहुमत के लिए 61 का आंकड़ा चाहिए। हालिया चुनाव में नेतन्याहू के सहयोगी दलों के गुट को 53 सीटें मिली हैं, जो बहुमत से दूर है। वहीं, आइजनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गुट को 48 सीटें मिली हैं, जबकि अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों ने 19 सीटों पर जीत हासिल की है। इस स्थिति में, एक विकल्प यह है कि विपक्षी और अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां मिलकर सरकार बनाने का आंकड़ा छू सकती हैं। हालांकि, अभी तक इस तरह के किसी गठबंधन पर बातचीत आगे नहीं बढ़ी है और इसमें कई रुकावटें हैं। बीते रविवार को दर्जनों प्रदर्शनकारियों ने आइजनकोट के घर के बाहर प्रदर्शन कर अरब पार्टियों के साथ गठबंधन का विरोध किया था। इससे पहले नेतन्याहू की पार्टी ने आइजनकोट के अरब पार्टियों से हाथ मिलाने को देशद्रोह के समान बता दिया था। इन सब राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठाए हैं और मतदाताओं को रिश्वत देने की कोशिशों के आरोप भी लगाए हैं। 27 अक्टूबर को वोटिंग से पहले पुलिस ने नकदी के लिफाफों के साथ तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। दो दिन बाद इस्लामी राअम पार्टी से जुड़े चार और संदिग्धों को पकड़ा गया था। अब विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों के बाद, चुनाव समिति के अनुरोध पर इजराइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे सरकार गठन की प्रक्रिया और भी जटिल हो गई है।



फ्रांस में पुलिसकर्मी हाई स्कूल के छात्रों को एक स्कूल को जाने वाले रास्ते को बाधित करने से रोकते हुए।

यूरोप के सात देशों के सुपरमार्केट्स की रेफ्रिजरेशन पर साइबर अटैक, हटाने पड़े खाद्य पदार्थ

इन हमलों की जिम्मेदारी किसी समूह ने नहीं ली, बड़े स्टोर्स में होते हैं डिजिटल सिस्टम

न्यूयार्क। साइबर हमलों का दायरा अब कंप्यूटर, बैंक और सरकारी वेबसाइट्स तक सीमित नहीं रहा है; बल्कि इनका असर वास्तविक दुनिया की सेवाओं और मशीनों पर भी पड़ रहा है। यह खतरा तब और स्पष्ट हो गया जब सोमवार को यूरोपीय देशों में सुपरमार्केट्स की रेफ्रिजरेशन व्यवस्था प्रभावित हुई। बेल्जियम, एस्टोनिया, फिनलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड और स्वीडन सहित सात देशों में फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे दुकानों को खराब होने की आशंका वाले खाद्य पदार्थ हटाने पड़े। बेल्जियम में कैरेफोर के करीब 15 और आयरलैंड में सुपरवैल्यू के 13 स्टोर प्रभावित हुए, जबकि स्वीडन की आईसीए और कूप ने भी ऐसी परेशानी की पुष्टि की। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी समूह ने नहीं ली है, लेकिन यह घटना पिछले 12 अक्टूबर को फ्रांस में सैकड़ों सुपरमार्केट पर हुए ऐसे ही साइबर हमले के बाद सामने आई है। बता दें बड़े स्टोर्स में सैकड़ों फ्रिज और फ्रीजर एक केंद्रीय डिजिटल सिस्टम से नियंत्रित होते हैं, जिससे कर्मचारी दूर से ही तापमान की निगरानी और सेटिंग बदल सकते हैं। यदि इस सिस्टम की सुरक्षा कमजोर हो, तो हमलावर उसमें अनधिकृत प्रवेश कर कूलिंग को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे बिना भौतिक उपस्थिति के ही खाद्य पदार्थों को नुकसान हो सकता है। यह घटना साइबर हमलों के बदलते चेहरे को दर्शाती है, जहां अब नुकसान केवल डेटा चोरी या कंप्यूटर स्क्रीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि औद्योगिक उपकरणों और भौतिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने वाली ऑपरेशनल टेक्नोलॉजी को भी निशाना बनाया जा रहा है। पिछले कुछ सालों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं। सितंबर 2023 में अमेरिका के एमजीएम रिसॉर्ट्स पर हुए हमले ने होटल बुकिंग और भुगतान जैसी सेवाओं को बाधित किया, वहीं फरवरी 2024 में चेंज हेल्थकेयर पर हुए रैनसमवेयर हमले ने अस्पतालों और फार्मेसियों की भुगतान प्रक्रियाएं रोक दीं।

संक्षिप्त समाचार

लैंडिंग के दौरान टकराए 2 हेलीकॉप्टर, एक विदेशी की मौत, एक घायल

काठमांडु। नेपाल के पूर्वी हिस्से में स्थित सोलुखुम्बु जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टर हवा में आपस में टकरा गए। इस भीषण दुर्घटना में एक विदेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सशस्त्र पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 8:15 बजे खुम्बू पासांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर-4 स्थित फेरिचे हेलीपैड पर हुआ। फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के ये दोनों हेलीकॉप्टर जब हेलीपैड पर उतरने का प्रयास कर रहे थे, उसी दौरान उनके रोटर ब्लेड आपस में टकरा गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में एक विदेशी नागरिक की मौत और एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की पुष्टि की गई है, हालांकि घायल और मृतक की सटीक पहचान तथा राष्ट्रीयता का अभी आधिकारिक तौर पर पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घायल व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए दूसरे हेलीकॉप्टर के जरिए लुकला पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि टक्कर के तुरंत बाद घटनास्थल पर आग लगने जैसी कोई अन्य दुर्घटना नहीं हुई, लेकिन दोनों हेलीकॉप्टरों में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी विस्तृत जानकारी अभी जुटाई जा रही है। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, इस दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। सोलुखुम्बु जिला दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट का क्षेत्र होने के कारण वैश्विक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में विदेशी पर्वतारोही और पर्यटक आते हैं, जिसके चलते दुर्गम पहाड़ी इलाकों में यात्रियों की आवाजाही और आपातकालीन बचाव अभियानों के लिए हेलीकॉप्टरों का संचालन बड़े पैमाने पर किया जाता है। इस हादसे के बाद उड्डयन और सुरक्षा एजेंसियों ने पहाड़ी क्षेत्रों में विमानन सुरक्षा के नियमों की समीक्षा तेज कर दी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ट्रंप ने कहा- ईरान बार-बार गिड़गिड़ाकर शांति की भीख मांग रहा

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य संघर्ष भड़क उठा है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडटर्म इलेक्शन के बीच ईरान के केशम द्वीप पर बड़ा हमला कराया है। इस हमले के बाद ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने यह जंग जीत ली है और तेहरान अब उनसे शांति की भीख मांग रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस गुप्त सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय रखा गया था ताकि हमले का कोई पूर्व संकेत न मिले। हमले के बाद केशम द्वीप और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास बंदर लेंगेह के करीब कई शक्तिशाली धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। स्थानीय चश्मदीदों और रिपोर्टों के अनुसार, केशम द्वीप पर हुए इन धमाकों के दौरान आसमान में लड़ाकू विमानों को उड़ते हुए देखा गया और ये हमले समुद्र की दिशा से किए गए थे। इस अचानक हुई सैन्य कार्रवाई से दोनों देशों के बीच पूर्व में हुआ सीजफायर पूरी तरह टूट गया है और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी उछाल दर्ज किया गया है। दूसरी ओर, इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच ईरान की ओर से भी जवाबी गतिविधियों के दावे सामने आए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, तेहरान की नौसेना ने अमेरिकी कार्रवाई का मुकाबला करते हुए कुछ अमेरिकी ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया है। इस ताजा सैन्य टकराव के चलते एक बार फिर पूरे क्षेत्र में युद्ध के और अधिक गंभीर रूप लेने की आशंका गहरा गई है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की पैनी नजर बनी हुई है।

22 नवंबर को भारत आ सकते हैं नेपाली पीएम शाह

काठमांडु। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह 22 से 24 नवंबर 2026 के बीच तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आ सकते हैं। प्रधानमंत्री बनने के करीब आठ महीने बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी, हालांकि इससे पहले वे सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के न्यूयॉर्क गए थे जो एक बहुपक्षीय दौरा था। परंपरा के अनुसार नेपाल के प्रधानमंत्री अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत को प्राथमिकता देते आए हैं, ऐसे में बालेन शाह का यह आगामी दौरा दोनों पड़ोसी देशों के राजनयिक संबंधों और आपसी सहयोग को नई मजबूती प्रदान करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी प्रतिनिधिमंडल स्तर की उच्चस्तरीय बैठक प्रस्तावित है, जिसमें दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने, बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट्स, सीमा से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण और आपदा प्रबंधन जैसे अहम विषयों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा, नेपाली प्रधानमंत्री के भारत के कई अन्य वरिष्ठ मंत्रियों से भी मिलने का कार्यक्रम है। हालांकि अभी तक इस दौरे की आधिकारिक तारीखों का विधिवत ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन कूटनीतिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बहुप्रतीक्षित दौरे के दौरान भारत के सहयोग से चल रही कई प्रमुख परियोजनाओं के उद्घाटन या उनके निर्माण कार्य की शुरुआत होने की उम्मीद है। इनमें नेपाल के पनौती में भारत की सहायता से निर्मित नेपाल पुलिस अकादमी, उत्तर प्रदेश की सीमा के पास स्थित भैरहवा एकीकृत जांच चौकी और पश्चिमी नेपाल के दार्चुला जिले में बने पुलों का उद्घाटन शामिल हो सकता है। साथ ही, डोधारा चांदनी एकीकृत जांच चौकी, लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना और सिलीगुड़ी-झापा पेट्रोलियम पाइपलाइन के निर्माण का श्रीगणेश भी इस यात्रा के दौरान होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि बालेन शाह के इस पहले द्विपक्षीय दौरे से पहले उनकी सरकार के कई प्रमुख मंत्री भारत का दौरा कर जमीन तैयार कर चुके हैं। इस वर्ष जून में नेपाल के विदेश मंत्री, सितंबर और अक्टूबर में वित्त मंत्री तथा अक्टूबर में गृह मंत्री ने भारत का दौरा किया था।

कई महीनों बाद पूर्व पीएम इमरान खान और बुशरा बीबी से वकील ने की मुलाकात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के वकील ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में इमरान खान) और उनकी पत्नी बुशरा बीबी से मुलाकात की और उनके मामलों से जुड़े कानूनी मुद्दों पर चर्चा की। इमरान खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में बंद हैं जबकि उनकी पत्नी बुशरा को 17 जनवरी 2025 को एक अलग मामले में गिरफ्तार किया गया था जिसमें दंपति को सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान को परिवार के सदस्यों, वकीलों और अन्य सहयोगियों से सप्ताह में दो बार, मंगलवार और गुरुवार को मुलाकात करने की अनुमति दी है। हालांकि कोर्ट के कई निर्देशों के बावजूद हाल के महीनों में इमरान खान की अपने परिवार और पार्टी नेताओं से मुलाकात काफी हद तक सीमित रही। वकील ने एक्स पर बताया कि उन्होंने इमरान खान से सात महीने और बुशरा बीबी से 11 महीने बाद मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात 40 मिनट तक चली, जो सभी मामलों और कानूनी मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने कहा कि दोनों ने उन्हें अपनी स्वास्थ्य स्थिति और जेल में रहने की परिस्थितियों के बारे में जानकारी दी और कुछ कानूनी मामलों और मुकदमों के संबंध में नए निर्देश दिए।

श्रीलंका में वीजा उल्लंघनः 21 विदेशी अरेस्ट

कोलंबो। श्रीलंका में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रहने के आरोप में 21 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय अपराध ब्यूरो ने कोलंबो के मध्य स्थित मरदाना इलाके में छापेमारी कर इन लोगों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में 12 चीनी नागरिक (जिसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं), छह बांग्लादेशी और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के बारे में कोई अन्य विस्तृत जानकारी नहीं दी है। गौरतलब है कि श्रीलंका में हाल के दिनों में कई विदेशी नागरिकों, विशेषकर चीनी नागरिकों को पर्यटक वीजा पर रहते हुए साइबर धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

जापान में तेज रफ्तार ट्रेन से टकराया भारी भरकम भालू, इंजन और डिब्बे पटरी से उतरे

टोक्यो। जापान के उत्तरी हिस्से होक्काइडो में रात के अंधेरे में तेज रफ्तार से दौड़ती एक्सप्रेस ट्रेन अचानक पटरी पर आए भारी भरकम भालू से टकरा गई। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेन का इंजन और डिब्बे पटरी से उतर गए। असाहिकावा से वाक्कनाई शहर की तरफ जा रही इस ट्रेन में 34 पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स सवार थे। गनीमत यह रही कि इस जोरदार झटके के बावजूद किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन टक्कर के बाद जंगल के बीच ट्रेन रुक गई। इसके चलते सभी मुसाफिरों को पूरी रात ट्रेन में ही गुजारनी पड़ी। सुबह राहत टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी पैसेंजर्स को सुरक्षित बाहर निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। ट्रेन स्पीड से ट्रैक पर दौड़ थी, तभी एक 400 किलो का भारी-भरकम भालू सामने आ गया जिससे ट्रेन टकरा गई। झटके के साथ ट्रेन पटरी से नीचे उतर गई और बोगियों की बिजली गुल होने से यात्री बुरी तरह डर गए। सुनसान इलाके में होने के कारण मदद पहुंचना मुमकिन नहीं था, ऐसे में यात्रियों को अगली सुबह तक ट्रेन के अंदर ही बितानी पड़ी। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका कि टक्कर के बाद भालू जिंदा बचा या नहीं। बता दें जापान में हाल के दिनों में जंगली भालुओं का खौफ तेजी से बढ़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि गांवों से लोगों के शहरों में बसने की वजह से जंगल खाली हो रहे हैं। खेती छोड़ने से जंगली जानवर रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ रहे हैं। क्लाइमेट चेंज के चलते जंगलों में खाने की भारी कमी है, इस वजह से भालू अक्सर स्कूलों, सुपरमार्केट्स और सुपर स्टोर्स में घुस रहे हैं। पिछले साल भालुओं के हमलों में 13 लोगों की जान चली गई थी, वहीं इस साल अप्रैल से जून के बीच पांच लोगों की मौत हुई है। जापानी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक देश में ब्राउन बेयर की संख्या 12 हजार के पार पहुंच गई है।

चीन के शीर्ष नेता लियू हाईक्सिंग की पाक यात्रा

बीजिंग। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के केंद्रीय समिति के अंतरराष्ट्रीय विभाग (आईडीसीपीसी) के मंत्री लियू हाईक्सिंग ने पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व से महत्वपूर्ण मुलाकातें कीं। इस्लामाबाद पहुंचे लियू ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख (सीओएएस) फील्ड मार्शल असीम मुनीर से अलग-अलग उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक घटनाक्रमों और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम शरीफ ने चीन-पाकिस्तान संबंधों को प्रगाढ़, समय की कसौटी पर खरी उतरी और हर स्थिति में कायम रहने वाली रणनीतिक साझेदारी बताया। लियू ने रावलपिंडी स्थित जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) में सेना प्रमुख मुनीर से भी वार्ता की। सेना द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने आपसी हित के मुद्दों, उभरते क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य और द्विपक्षीय संबंधों पर गहन चर्चा की। उन्होंने पाकिस्तान और चीन के बीच हर स्थिति में कायम रहने वाली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साझा संकल्प को व्यक्त किया।

उत्तर कोरिया को एक साइबर अपराधी देश पेश करने की कोशिश कर रही एफबीआई



बायनैंस से क्रिप्टोकरेंसी चोरी का प्योंगयांग का जिम्मेदारी ठहराने पर भड़की किम की बहन

सोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की उस जांच के नतीजों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बायनैंस से हुई भारी क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए प्योंगयांग को जिम्मेदार ठहराया गया था। उत्तर कोरिया ने इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश और भड़काऊ कृत्य बताया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने एफबीआई के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि बायनैंस के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई जिम्मेदार है। एफबीआई ने इस चोरी का संबंध उत्तर कोरिया के एक हैकिंग समूह से जोड़ा है, जिसे वे ट्रेडर ट्रेटर कहते हैं। इस नाम का संबंध पहले भी क्रिप्टोकरेंसी की अन्य चोरियों से जोड़ा जा चुका है। एक बयान में किम ने कहा कि उत्तर कोरिया को एक साइबर अपराधी देश के रूप में एफबीआई पेश करने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है कि इस घटना में उत्तर कोरिया समर्थित एक हैकिंग संगठन शामिल था। डीपीआरके, उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया का संक्षिप्त रूप है। बयान में कहा गया है कि यह उत्तर कोरिया के खिलाफ एक गंभीर राजनीतिक साजिश है। अमेरिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबको गुमराह कर रहा है, मानो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले सभी साइबर अपराध हमारे ही किए धरे हों। उत्तर कोरिया पर पहले भी साइबर चोरी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उसने हमेशा इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। किम का किसी हैकिंग घटना पर बयान जारी करना काफी दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि पिछले साल जब अमेरिका के मौजूदा प्रशासन ने सत्ता संभाली, तो उसने घोषणा की थी कि वह अवैध रूप से चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी को जब्त कर लेगा और उसे देश के रणनीतिक भंडार के रूप में इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई यह देखे कि तथाकथित चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी बरामद होने के बाद किसके पास जाएगी, तो उसे इस बात का सुराग मिल सकता है कि इस हैकिंग घटना के पीछे कौन है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया, वाशिंगटन द्वारा लगातार किए जा रहे उकसावे की हरकतों पर करीबी नजर रख रहा है। किम ने चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका के इस बेहद गैरजिम्मेदाराना और शत्रुतापूर्ण रवैये को देखते हुए, हमें कई पहलुओं पर फिर से विचार करने की जरूरत है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर कोरिया पर लगे साइबर हैकिंग के आरोपों पर किम का यह पहला बयान है। अधिकारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया इस मामले को गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि बायनैंस हैकिंग की घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके नतीजे सामने आ रहे हैं।

विमान में झटके लग रहे हैं और बर्फ जम रही है हम जमीन से टकराने वाले हैं

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में हुए भीषण विमान हादसे में दोनों पायलटों ने हादसे से ठीक पहले कॉकपिट में जिंदगी बचाने की कोशिश की। को-पायलट अपने करीबियों को संदेश भेज रही थी, वहीं विमान के अंदर कैप्टन जेफ ग्रेगरी ने ईश्वर से प्रार्थना शुरू कर दी थी। कुछ ही मिनटों बाद विमान तेजी से नीचे गिरा और सड़क पर आग के गोले में तब्दील हो गया। यह निजी विमान रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में सड़क पर गिरा था। घटनास्थल के आसपास सैकड़ों घर थे और विमान उनसे कुछ ही मीटर की दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे के वीडियो में विमान जमीन से टकराते ही आग लग गई। टक्कर से सड़क पर बड़ा गड्ढा भी हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान की 20 साल की को-पायलट हादसे से कुछ देर पहले तक अपने करीबियों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क में थी। उसके सौतेले पिता थियागो कॉर्टेलेटी ने द न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि नतालिया ने दोपहर करीब 12:40 बजे अपने बॉयफ्रेंड को संदेश भेजा था। उन्होंने बताया कि नतालिया ने संदेश में लिखा था, विमान में झटके लग रहे हैं और बर्फ जम रही है।

फ्रांस ने 70 लाख प्रोडक्ट हटाए कहा- इससे महिलाएं गर्भवती हो जाएंगी

पेरिस। फ्रांस सरकार ने मलेशियाई कंपनी के अल्ट्रा-थिन कंडोम को तत्काल बाजार से बाहर कर दिया है। सरकार का कहना है कि इसकी गुणवत्ता बेहद खराब है। कभी भी फट सकता है और महिलाएं गर्भवती हो सकती है और संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। ऐसे में सरकारी आदेश पर तत्काल प्रभाव से करीब 70 लाख कंडोम को बाजार से हटा दिया गया है। हाल ही में की गई प्रयोगशाला जांच में इन उत्पादों के निर्माण में गंभीर तकनीकी खामियां पाई गईं, जिनमें लेटेक्स की गुणवत्ता और मोटाई में असमानता शामिल है। इन गड़बड़ियों के कारण उपयोग के दौरान कंडोम के फटने या उनमें सूक्ष्म छेद होने का खतरा अत्यधिक बढ़ गया था, जिससे यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) फैलने और अनचाही गर्भावस्था का गंभीर जोखिम पैदा हो गया था। फ्रांसीसी उपभोक्ता निगरानी संस्था द्वारा की गई जांच और प्रयोगशाला परीक्षणों में इन कंडोम ने दबाव सहने तथा सुरक्षा के तय मानकों को पूरा नहीं किया। अधिकारियों के अनुसार, इस खराब उत्पादन प्रक्रिया के कारण यूरोपीय बाजार में कुल 70 लाख कंडोम प्रभावित हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा फ्रांस में भी खपाया गया था। यह कार्रवाई इस वर्ष गर्मियों में शुरू की गई व्यापक जांच का परिणाम है, जिसके तहत मई और अगस्त के बीच लगभग 2.60 लाख कंडोम पहले ही बाजार से वापस मंगाए जा चुके थे। शुरुआती रिकॉल के बाद से अब तक कई लोगों ने कंडोम फटने और उसके परिणामस्वरुप अनचाही प्रेग्नेंसी या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायतें दर्ज कराई हैं। फ्रांसीसी अधिकारियों ने 22 अक्टूबर को जारी अपने आधिकारिक आदेश में रिक्टर रबर टेक्नोलॉजी नामक इस मलेशियाई कंपनी के 15 प्रकार के अल्ट्रा-थिन कंडोम को तुरंत प्रभाव से दुकानों से हटाने और उनकी बिक्री रोकने का निर्देश दिया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत-न्यूजीलैंड पहला एकदिवसीय आज, मैच भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे से शुरु होगा



ऑकलैंड। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में उतरेगी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले इस मैच में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी रहेंगी। ये दोनो ही लंबे समय के बाद खेलते दिखेंगे। प्रशंसकों को इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच मे जीत के साथ ही सीरीज की शुरुआत करना रहेगा हालांकि उसकी राह आसान नहीं है क्योंकि भारतीय गेंदबाज पिछले कुछ समय से लय में नहीं दिख रहे हैं। इसके अलावा प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। बुमराह को आगामी टेस्ट सीरीज को देखते हुए आराम दिया गया है। आराम दिया गया है। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं हैं। ऐसे में, अनुभवी मोहम्मद सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज और औकिब नबी पर ही गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। इसमें से सिराज और अर्शदीप को छोड़ दिया जाये तो बाकि गेंदाबाज अनुभवहीन हैं। इस टेस्ट सीरीज में कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए कई अनुभवी खिलाड़ियों को बारी-बारी से आराम दिया जाएगा क्योंकि इसके बाद उन्हें टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिया है कि टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी आखिरी दो एकदिवसीय मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। कप्तान ने कहा, अगर एकदिवसीय सीरीज और टेस्ट सीरीज के बीच थोड़ा ज्यादा अंतराल होता तो हम सभी पांच मैच खेलते। लेकिन कम समय को देखते हुए, हमें खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। इसका सीधा असर टीम के संयोजन पर पड़ सकता है। भारतीय टीम के लिए पांच मैचों की ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अहम मानी जा रही है। इस सीरीज से टीम को अपनी कमजोरियों का पता चलेगा और कहां सुधार की जरुर है। उसका भी अंदाजा होगा। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सात सालों के सूखे को खत्म करना चाहेगी। इसका कारण है कि भारत ने फरवरी, 2019 से न्यूजीलैंड में कोई एकदिवसीय मैच नहीं जीता है. दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, कुलदीप यादव और नमन धीर।

ऋषभ न्यूजीलैंड दौरे के लिए हुए फिटनेस टेस्ट में असफल रहे

अब दूसरे टेस्ट के आधार पर होगा फैसला

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की खेल में वापसी टल सकती है। इसका कारण है कि ऋषभ न्यूजीलैंड दौरे के लिए हुए पहले फिटनेस टेस्ट में असफल रहे हैं। उनका ये टेस्ट बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुआ। अब उन्हें एक औरा फिटनेस टेस्ट देने का अवसर मिलेगा। इसके आधार पर ही तय होगा कि वह दौरे पर जाएंगे या नहीं। अगर वह इस बार टेस्ट में फेल होते हैं तो वह दौरे पर नहीं जा सकेंगे। वह अक्टूबर की शुरुआत में ईरानी कप मैच के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे हैं। इस चोट के बाद, वह 23 अक्टूबर से ही सीओई में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। अब उनकी फिटनेस ही तय करेगी कि वह न्यूजीलैंड दौरे पर जा पाएंगे या नहीं। अगर वह दूसरे फिटनेस टेस्ट में फिट घोषित होते हैं, तो वह टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो 7 नवंबर को लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद, भारतीय टीम का पहला टेस्ट मैच 19 नवंबर को वेलिंगटन में शुरू होगा, जिसके लिए उनकी मौजूदगी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गौरतलब है कि 12 अक्टूबर को जब इस क्रिकेटर के पहली बार चोटिल होकर बाहर होने की पुष्टि हुई थी, तब चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया था। हालांकि, उन मैचों में कुशाग्र नहीं खेले और टीम के कप्तान ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली, जो मुख्य टेस्ट टीम का भी हिस्सा हैं। चयनकर्ताओं ने पंत को इंडिया ए टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भी चुना था, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर ही निर्भर करेगा। यही वजह है कि उन्हें इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शुरुआती दो मैचों से बाहर रखा गया था।

रणजी ट्रॉफी : हर्ष दुबे ने 9 विकेट लेकर मध्यप्रदेश को 209 रनों पर समेटा

नागपुर। युवा स्पिनर हर्ष दुबे की घातक गेंदबाजी से विदर्भ ने यहां रणजी ट्रॉफी क्रिकेअ के चौथे दौर के मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम को पहले दिन ही 209 रनों पर आउट कर दिया। इस 24 वर्षीय गेंदबाज हर्ष ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से 9 विकेट लिए और प्रतिस्पर्धी मध्य प्रदेश टीम को केवल 209 रनों पर समेट दिया। एलीट ग्रुप-ए के इस अहम मुकाबले में, मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर बनाने का फैसला किया पर हर्ष ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हर्ष ने मध्यप्रदेश टीम के मध्य क्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेट दिया। उन्होंने 23.1 ओवर में केवल 53 रन देकर 9 विकेट लिए। यहां तक कि कप्तान रजत पाटीदार और सारांश जैन भी उनका शिकार बने। यह हर्ष दुबे के प्रथम श्रेणी करियर का सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन है, जिसने उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आंकड़े (नवंबर 2024 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 36 रन देकर 6 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, यह विदर्भ के लिए रणजी ट्रॉफी में किसी भी गेंदबाज द्वारा किया गया अब तक का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी स्पेल भी है। हालांकि, हर्ष दुबे के ऐतिहासिक बॉलिंग स्पेल के बावजूद, दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ की टीम भी मुश्किल में घिरती हुई नजर आई। मध्य प्रदेश के 209 रनों के जवाब में, स्टंप्स तक विदर्भ ने अपने चार विकेट केवल 54 रनों पर खो दिए थे। खेल समाप्त होने के समय ध्रुव शोरे 21 रन और कप्तान अक्षय वाडकर 9 रन बनाकर खेल रहे थे। मध्य प्रदेश की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए।

न्यूजीलैंड सीरीज में रोहित बना सकते है कई बड़े रिकार्ड

हैम्लिटन। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। पहला मैच ऑकलैंड के ईडन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड पहले से ही अपने नाम कर चुके हैं, जिसमें उनके 381 छक्के शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ यदि वह 19 और छक्के लगा देते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में 400 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 21,000 रन पूरे करने के लिए रोहित को इस सीरीज में 348 रन की जरुरत है। उन्होंने अपने 517 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अब तक 20,652 रन बनाए हैं। यदि वह यह आंकड़ा हासिल कर लेते हैं, तो वह भारत के लिए सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ के बाद 21 हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। यह उन्हें भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों की सूची में और ऊपर ले जाएगा। तीसरा महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एसईएनए (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 5,000 रन पूरे करने से जुड़ा है। इन चार कठिन क्रिकेटिंग राष्ट्रों में उन्होंने कुल 4,964 रन बनाए हैं। सिर्फ 36 रन और बनाते ही वह पहले एकदिवसीय मैच में ही 5,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं। यह आंकड़ा इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी निरंतरता और अनुकूलन क्षमता को दिखाता है। वहीं आखिरी और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड यह है कि रोहित शर्मा अब तक अपने एकदिवसी अंतर्राष्ट्रीय करियर में 98 बार 50 या उससे अधिक का स्कोर कर चुके हैं। यदि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में दो और अर्धशतक लगा देते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट में 50 से अधिक रन बनाने का शतक पूरा कर लेंगे। यदि रोहित ऐसा कर पाए, तो वह दुनिया में 100 अर्धशतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज होंगे, जिससे उनका नाम क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों की सूची में और मजबूत हो जाएगा।

ट्रेड डील के जरिये पंजाब किंग्स जा सकते हैं हार्दिक पांड्या, मुम्बई को मिल सकते हैं अर्शदीप

मुम्बई। अनुभवी ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या आईपीएल के अगले सत्र मे पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। पांड्या को ट्रेडिंग के जरिय पंजाब किग्स लेने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों फ्रेंचाइजियां इस डील को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में लगी हैं। पांड्या के बदले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और बल्लेबाज विष्णु विनोद को मुंबई इंडियंस ले सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रेड पर पंजाब और मुंबई के प्रबंधन सहमत नजर आ रहा है। आईपीएल अधिकारियों की मंजूरी के बाद, हार्दिक के इस ट्रेड की आधिकारिक पुष्टि इसी सप्ताह हो सकती है। माना जा रहा ह कि इस ट्रेड डील की पहल मुंबई इंडियंस ने की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई ने एक तेज गेंदबाज को टीम में शामिल करने के लिए पंजाब को पांड्या को ट्रेड करने का प्रस्ताव दिया था। जब यह प्रस्ताव पंजाब किंग्स के सामने आया, तो बदले में अर्शदीप सिंह और विष्णु विनोद को मुंबई भेजने पर बातें हुई। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को ट्रेड करने के लिए तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों से संपर्क किया था। इनमें से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ भी बातचीत अच्छी रही थी पर इसके बाद भी डील पक्की नहीं हो पायी। वहीं अगर अर्शदीप अगर पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियंस में चले जाते हैं, तो पंजाब टीम में एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह खाली होगी। ऐसे में, पंजाब किंग्स की लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ एक और ट्रेड डील होने की संभावना है। इस संभावित डील में लखनऊ के मोहसिन खान और मार्कस स्टोइनिस की अदला-बदली पर विचार किया जा रहा है। हार्दिक को आईपीएल के पिछले सत्र में 16.35 करोड़ की राशि मिली थी, जबकि अर्शदीप सिंह को पंजाब किंग्स ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर दोनों खिलाड़ी नई टीमों में शामिल होते हैं, तो उन्हें कितनी रकम मिलेगी और उनके मौजूदा अनुबंधों का क्या होगा।



कतर की राजधानी दोहा में एफसी चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए कतर के अल साद और सऊदी अरब के अल अहीक्लब के खिलाड़ी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

नई दिल्ली। भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ?1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था। हालांकि, आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष प्रयासों ने बाजी पलट दी। राज्य के मंत्री नारा लोकेश ने दक्षिण कोरिया का दौरा कर इन कंपनियों को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित किया, जिसके बाद इकोनॉमिक डेवलपमेंट बोर्ड ने लगातार बातचीत की। इसी सक्रियता के चलते आंध्र प्रदेश ने यह महत्वपूर्ण निवेश हासिल कर लिया और तमिलनाडु के हाथ से मौका निकल गया।

मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

मुंबइ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी। फोर्ब्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मुकेश अंबानी 1,250 अरब डॉलर (राजस्व) वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और संचालक हैं, जिसका कारोबार पेट्रोरसायन, तेल एवं गैस, दूरसंचार, खुदरा, मीडिया और वित्तीय सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। यह उनकी संपत्ति में इस जबरदस्त उछाल का मुख्य कारण रहा है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया



नई दिल्ली। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है। कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है। इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

नई दिल्ली। भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं।



आबू धाबी में इंटरनेशनल पेट्रोलियम एक्सहीबिशन में शेल कंपनी का बूथ नजर आ रहा। इस चार दिन के इवेंट में कई उर्जा कंपनियों ने भाग लिया। इसके साथ ही इसें कई विशेषज्ञों ने भी नई तकनीक की जानकारी उर्जा क्षेत्र को दी।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़, दाम 4100 रुपए के पार

भोपाल। पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

रील बनाने से अधिक रियल प्रॉब्लम सुलझाने पर ध्यान दें युवा पुलिस अधिकारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने म.प्र. पुलिस अकादमी भौंरी में दीक्षांत परेड समारोह को किया संबोधित



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हुए रील बनाने से अधिक रियल प्रॉब्लम सुलझाने पर ध्यान दें। सोशल मीडिया का उपयोग आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी सहायता के लिए करें। पुलिस अधिकारी गरीबों, महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए देवदूत की तरह कार्य करें। ऐसे अधिकारी बनें, जिनका सम्मान समाज के प्रत्येक वर्ग में हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी के परेड ग्राउंड में मंगलवार को आयोजित 44वें एवं 45वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व दीक्षांत परेड समारोह में राष्ट्रीय निशान टोली के आगमन के साथ पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान %जन गण मन% की धुन प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद नव प्रशिक्षित अधिकारियों ने अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए सधे हुए कदमों और उत्कृष्ट तालमेल से परेड मार्च किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। परेड में अधिकारियों ने प्रदेश और राष्ट्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के 48 प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रदेश की सेवा के लिए तैयार हैं। यह युवा अधिकारियों के लिए पब्लिक सर्विस में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर है। पुलिस सेवा में आने के साथ ही उनके कंधों पर प्रदेश की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने अपनी तत्परता, कर्तव्य निष्ठा और साहस से उत्कृष्ट प्रतिमान स्थापित किए हैं। प्रदेश का चंबल और रीवा अंचल दशकों तक दस्यु समस्या से प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस ने अपनी कुशल कार्य क्षमता से इसका उन्मूलन किया। इसके बाद नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाकर प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के वीर जवानों ने निर्धारित समय-सीमा से पहले नक्सलवाद को समाप्त करने में सफलता प्राप्त की। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना है। उन्होंने कहा कि अपराध की चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। युवा पुलिस अधिकारी आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करें और अपने कर्तव्य के मार्ग पर ऐसा जीवन जिएं, जो समाज के लिए आदर्श बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने दस्यु समस्या और नक्सलवाद के बाद अब नशे के खिलाफ बड़ी मुहिम शुरू की है।

कांग्रेस की 100+ आपत्तियां हुई खारिज, हरदीप सिंह पुरी का नामांकन मंजूर

मप्र की राज्यसभा सीट से केंद्रीय मंत्री पुरी का निर्विरोध जीतना लगभग तय



भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है। कांग्रेस ने उनके शपथपत्र में 100 से ज्यादा गलतियां बताते हुए नामांकन निरस्त करने की मांग की थी। रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस की सभी आपत्तियां खारिज कर दीं। वहीं, कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी और एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी कांते सायन्ना का नामांकन निरस्त कर दिया गया है। अब 5 नवंबर को दोपहर 3 बजे नाम वापसी की समयसीमा खत्म होने के बाद हरदीप पुरी का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो सकता है। हरदीप पुरी के नामांकन पर सुनवाई के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने सभी आपत्तियां खारिज कर दीं। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और आतिफ अकील ने कहा कि इस पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ वे कल न्यायालय जाएंगे। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर प्रहार बताते हुए कहा कि शपथपत्र में बड़ी त्रुटियों के सभी प्रमाण प्रस्तुत किए थे, इसके बावजूद नामांकन निरस्त नहीं किया गया। मंगलवार को दोपहर 2 बजे से शुरू हुई स्क्रूटनी के दौरान कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता जेपी धनोपिया, विधायक हेमंत कटारे और राजकुमार लोहानी ने पुरी के नामांकन पर आपत्तियां दर्ज कराईं। कांग्रेस ने रिटर्निंग ऑफिसर उमेश शर्मा के सामने लिखित में आपत्तियां रखते हुए पुरी का नामांकन निरस्त करने की मांग की थी। रिटर्निंग ऑफिसर के सामने भाजपा की ओर से मंत्री राकेश सिंह ने अपने वकीलों के साथ पक्ष रखा। वहीं,कांग्रेस की ओर से विधायक हेमंत कटारे और आतिफ अकील अपने वकीलों के साथ मौजूद रहें। इधर,राज्यसभा उपचुनाव के तीसरे निर्दलीय प्रत्याशी कांते सायन्ना का नामांकन भी निरस्त कर दिया गया। राजकुमार लोहानी के मुताबिक, सायन्ना के नामांकन में प्रस्तावक का नाम नहीं था। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने कहा कि चुनाव के लिए दिए जाने वाले शपथपत्र को मजिस्ट्रेट या नोटरी के सामने शपथ लेकर प्रस्तुत करना जरूरी है। कटारे ने शपथपत्र में पत्नी का नाम नहीं होने और संपत्ति का विवरण भारतीय रुपए के बजाय अमेरिकी डॉलर और स्विस फ्रैंक में दिए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नामांकन में 100 से अधिक त्रुटियां हैं। नियमों के मुताबिक,इसे निरस्त किया जाना चाहिए। कटारे ने रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति और कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी का निर्णय निष्पक्ष और कानून के अनुरूप होना चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि नियमों के विपरीत फैसला होने पर हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग में चुनौती दी जाएगी। कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने आरोप लगाया कि हरदीप पुरी के नामांकन के साथ दिए गए शपथपत्र में 25 से 30 गंभीर त्रुटियां हैं। उन्होंने कहा कि शपथपत्र में विधिवत शपथ और सत्यापन नहीं है। नोटरी के सामने शपथ लेने की प्रक्रिया भी पूरी नहीं की गई है। इसके अलावा संपत्ति का ब्योरा अलग-अलग विदेशी मुद्राओं में दिया गया है और परिवार के सदस्यों की जानकारी भी पूरी नहीं है। धनोपिया ने कहा कि इन सभी आपत्तियों को लिखित में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने रखा गया है।

सरकारी खर्चों के लिए लगातार कर्ज लिया जा रहा है : जीतू पटवारी

निवेश के दावों और बढ़ते कर्ज को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ते सरकारी कर्ज और ब्याज भुगतान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर प्रदेश में बड़े निवेश और औद्योगिक विकास के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी खर्चों के लिए लगातार कर्ज लिया जा रहा है। पटवारी ने कहा कि सरकार को निवेश के दावों के साथ यह भी बताना चाहिए कि प्रदेश में कितना निवेश वास्तव में जमीन पर उतरा और उससे कितने लोगों को रोजगार मिला। जीतू पटवारी ने मंगलवार को मीडिया को जारी अपने बयान में दावा किया कि वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अक्टूबर के बीच प्रदेश सरकार करीब 44,980 करोड़ रुपए का नया कर्ज ले चुकी है। इसके अलावा 3 नवंबर को 4,000 करोड़ रुपए का एक और कर्ज लेने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में सरकार ने करीब 14,073 करोड़ रुपए ब्याज भुगतान और पुराने ऋण के पुनर्भुगतान पर खर्च किए हैं। उनके मुताबिक, लगातार बढ़ती ऋण देनदारियां प्रदेश की वित्तीय स्थिति के सामने चुनौती पेश कर रही हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बजट के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में ब्याज भुगतान के लिए करीब 33,735 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं वेतन, पेंशन और ब्याज पर कुल प्रस्तावित खर्च लगभग 1,37,826 करोड़ रुपए है, जो अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का करीब 45 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इन अनिवार्य खर्चों के बाद विकास कार्यों के लिए कितने संसाधन उपलब्ध रहेंगे। पटवारी ने किसानों की फसल के उचित मूल्य, युवाओं के रोजगार, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता, अस्पतालों में डॉक्टरों की नियुक्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, सिंचाई व पेयजल जैसी सुविधाओं को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि इन बुनियादी जरूरतों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार निवेश सम्मेलनों और उद्योगों से जुड़े समझौतों के जरिए प्रदेश में औद्योगिक विकास की तस्वीर पेश कर रही है। लेकिन निवेश प्रस्तावों और वास्तविक निवेश के बीच अंतर स्पष्ट होना चाहिए। सरकार को बताना चाहिए कि अब तक घोषित निवेश में से कितना धरातल पर उतरा, कितनी औद्योगिक इकाइयां शुरू हुईं और प्रदेश के युवाओं को कितने स्थायी रोजगार मिले।

शहरी पेयजल योजना में अनियमितता पर अनुशासनात्मक कार्यवाही

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आगर-मालवा जिला अंतर्गत नगर परिषद कानड़ में मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना के क्रियान्वयन में पाई गई अनियमितताओं के प्रकरण में दोषी दो अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है। लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त शिकायत की जांच उपरांत आरोपों की पुष्टि होने पर विभाग द्वारा तत्कालीन प्रभारी लेखापाल एवं तत्कालीन उपयंत्री पर शास्ति अधिरोपित की गई है। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा मंगलवार को जारी आदेशानुसार,नगर परिषद कानड़ के तत्कालीन प्रभारी लेखापाल चंदर सिंह मालवीय की स्वीकृत वार्षिक वेतनवृद्धि को संचयी प्रभाव से अवनत किए जाने तथा तत्कालीन उपयंत्री महेन्द्र सिंह परमार की एक वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का दंड अधिरोपित किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि शासकीय योजनाओं एवं जनहित के कार्यों के संपादन में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा अनिमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान और जल एवं भूमि प्रबंधन के बीच एमओयू

भोपाल। मध्य प्रदेश में विद्यार्थियों, किसानों, शोधार्थियों एवं युवाओं को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने, मूल्य संवर्धन, कृषि उद्यमिता, स्वरोजगार एवं ग्रामीण आर्थिक विकास के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), भोपाल के कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को सतत मशरूम उत्पादन, मूल्य संवर्धन एवं कृषि व्यवसाय विकास विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के मध्य शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते का प्रमुख उद्देश्य कृषि विषय के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण, कौशल विकास, अनुसंधान, व्यावहारिक ज्ञान एवं क्षमता संवर्धन को प्रोत्साहित करना है। वेबिनार में देश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की, जिनमें विद्यार्थी, वैज्ञानिक, शोधार्थी, प्राध्यापक, किसान एवं कृषि उद्यमी शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी एवं जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) की निदेशक सरिता बाला ओम प्रजापति उपस्थित रहीं।

हाईकोर्ट ने धार्मिक हिंसा की रिपोर्टिंग पर दर्ज एफआईआर की रद्द

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रायसेन के यूट्यूबर उवेश खान के खिलाफ सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में दर्ज एफआईआर रद्द कर दी है। जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने कहा कि वास्तविक घटना या हिंसा की निष्पक्ष और तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करना अपराध नहीं है। मामला 6 सितंबर 2025 को रायसेन जिले के सिलवानी में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है। घटना में कुछ लोग घायल हुए थे। उवेश खान ने अपने यूट्यूब न्यूज चैनल पर घटना की रिपोर्टिंग की थी। शिकायतकर्ता ने खबर को भ्रामक बताते हुए आरोप लगाया था कि इससे हिंदू समुदाय में डर और भ्रम फैला तथा सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। इसके आधार पर सिलवानी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि जिस घटना की रिपोर्टिंग की गई, उसके संबंध में पुलिस पहले ही अलग एफआईआर दर्ज कर चुकी थी। वास्तविक घटनाओं की सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग को सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने वाला अपराध नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता के तहत तथ्यात्मक रिपोर्टिंग को संरक्षण प्राप्त है, हालांकि यह पत्रकारों को हर प्रकार की कानूनी कार्रवाई से पूर्ण छूट नहीं देता।

रिटायर्ड आईएएस की हत्या का आरोपी शॉर्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल में रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल हत्याकांड के आरोपी केयर टेकर वरुण कुमार को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे उसे शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पकड़ा गया। उसके पैर में पुलिस की गोली लगी। घायल को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अग्रवाल के डांटने से नाराज था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए चार दिन तक सब्जी और रिक्शावाला बनकर रेकी की थी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वरुण को पकड़ने के लिए भोपाल पुलिस ने आगरा में चार दिन तक अंडरकवर ऑपरेशन चलाया। रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा के मुताबिक,झुग्गी बस्तियों में पुलिस की लगातार आवाजाही से लोगों को शक होने लगा था। इसलिए टीम ने अपनी पहचान छिपाकर निगरानी शुरू की। दिल्ली और मथुरा में भी पुलिस टीमें तैनात थीं। आखिरकार वरुण आगरा के मथुरा रोड से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक,हत्या के बाद वरुण लगातार ठिकाने बदल रहा था। वह एक-दो दिन से ज्यादा किसी जगह नहीं रुकता था। ग्वालियर से आगरा, मथुरा और वृंदावन होते हुए दिल्ली पहुंचा। इसके बाद हरिद्वार, ऋषिकेश,नैनीताल और मनाली तक गया। इस दौरान उसने बस, ट्रेन और ट्रकों से सफर किया।

प्रदेश में 3 हज़ार 62 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया 16 नवम्बर से प्रारंभ

एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से होगी पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध ऑनलाइन चयन प्रक्रिया

भोपाल। मध्यप्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्रदेश में लगभग पांच वर्ष बाद ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन किया जा रहा है। इस संबंध में सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल (https://eseva.mp.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इच्छुक पात्र महिलाएं 16 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। चयन के लिए केवल ऑनलाइन प्राप्त आवेदन ही मान्य होंगे। ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की संपूर्ण कार्यवाही जिला स्तर से की जाएगी। यह प्रक्रिया कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की निगरानी में संपन्न होगी।निर्धारित ग्रामवार संख्या एवं चयन के लिए चिह्नित ग्रामों के अनुसार ही चयन किया जाएगा। इससे चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं एकरूपता सुनिश्चित होगी। चयन के लिए आवेदिका का संबंधित ग्राम की निवासी एवं विवाहित महिला होना अनिवार्य है। आवेदिका की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयन में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं प्राथमिकता संबंधी मापदंडों का पालन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके बाद 17 से 25 दिसंबर तक प्राप्त आवेदनों को ग्रामसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रामसभा द्वारा 26 दिसंबर 2026 से 18 जनवरी 2027 तक चयन के लिए प्रस्ताव अनुमोदित कर भेजे जाएंगे। प्राप्त प्रस्तावों पर 19 जनवरी से 5 फरवरी 2027 तक विकासखंड स्तर पर दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। इसके उपरांत 6 से 25 फरवरी 2027 तक जिला स्तर पर अपील प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य समिति से अंतिम अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया 26 फरवरी से 5 मार्च 2027 तक पूर्ण की जाएगी। समिति के अंतिम अनुमोदन के उपरांत ही चयन आदेश जारी किए जाएंगे। संपूर्ण चयन प्रक्रिया 5 मार्च 2027 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाएगी। चयनित आशा कार्यकर्ताओं की आईडी बनाने के लिए 6 से 20 मार्च 2027 तक आशा पोर्टल के माध्यम से अनुरोध किया जाएगा। चयनित आशा की जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज पोर्टल के माध्यम से राज्य मुख्यालय को भेजे जाएंगे। राज्य स्तर पर दस्तावेजों के सत्यापन एवं अनुमोदन के उपरांत आईडी बनाई जाएगी।

'ई-ऊर्जा भवन' बनने से बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होगी : मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भोपाल में नवीन 'ई-ऊर्जा भवन' का किया भूमि-पूजन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, त्वरित और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग द्वारा प्रभावी कार्यक्रम बनाकर बेहतर अनुप्रयोग अमल में लाये जाने के अनुक्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का निर्मित होने वाला नवीन ई-ऊर्जा भवन प्रभावी भूमिका निभाएगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मंगलवार को बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा स्थित आस्था परिसर में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नवीन ई-ऊर्जा भवन के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग, निदेशक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव,मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ.राकेश शर्मा,मुख्य वित्तीय अधिकारी अखिलेश कुमार पाण्डे सहित सभी मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने कंपनी के नवीन ई-ऊर्जा भवन के भूमि-पूजन कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के साथ ही त्वरित सेवाएं प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है। इसी दिशा में कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़,आधुनिक एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए नवीन ई-ऊर्जा भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस अत्याधुनिक भवन में सूचना प्रौद्योगिकी सेल के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होने से कंपनी की डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कार्यप्रणाली एवं तकनीकी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण,ऑनलाइन सेवाओं के संचालन तथा उपभोक्ता सेवाओं को अधिक सुगम, प्रभावी एवं त्वरित बनाने में सहायता मिलेगी। प्रबंध संचालक ने कहा कि कंपनी की बढ़ती कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन ई-ऊर्जा भवन विकसित किया जा रहा है। यह भवन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही कंपनी की प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यप्रणाली को नई गति प्रदान करेगा। ई-ऊर्जा भवन का निर्माण 8 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। लगभग 3,696 वर्ग मीटर के कुल निर्मित क्षेत्र में विकसित होने वाला यह भवन ग्राउंड फ्लोर सहित चार मंजिलों का होगा।

गोवर्धन पूजा पर वृंदावन ग्रामों में पशुपालन पर प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंत्रि परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को किया संबोधित



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दीपों का महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। मां लक्ष्मी और भगवान श्रीगणेश के आशीर्वाद से हर घर में उजाला और आनंद बना रहे। धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई-दूज ये पांचों दिन सबके लिए मंगलमय हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में सभी को दीपावली कि बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीपावली की खरीदारी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकल को वोकल बनाने के मंत्र को हम सब जीवन में उतारें। स्वदेशी उत्पाद खरीदें और हमारे स्थानीय छोटे व्यवसायियों, माटीकला शिल्पियों के जीवन में उजियारा लाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पर्व प्रकृति, पर्वत और गौवंश संरक्षण की भारतीय प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। इस दिन हर घर गौशाला, हर गांव वृंदावन बन जाता है। इस बार गोवर्धन पूजा पर वृंदावन ग्रामों के पशुपालकों की प्रतियोगिता कराई जा रही है। इसमें प्रथम तीन विजेताओं को गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश का 71वां स्थापना दिवस किसान कल्याण और कृषि विकास पर केंद्रित रहा। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी विद्यार्थी छात्रवृत्ति के तहत विजेताओं को एक-एक लाख रुपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा विरासत से विकास, किसान बाजार, महिला उद्यमिता मंडप, कृषि प्रदर्शनी, लोक गायन, अनुगूंज आदि अनेक आयोजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक इंदौर-उज्जैन-भोपाल क्षेत्र में 20 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। लगभग 15 टाउनशिप विकसित की जाएंगी और 30 हजार एकड़ क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास होगा। इंदौर फ्यूचर सिटी में 5 हजार एकड़ क्षेत्र में आवास, उद्योग और रोजगार आधारित विकास किया जाएगा। अर्बन चैलेंज फंड अंतर्गत 2,013 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए एमओयू किए गए हैं।

सफाईकर्मियों का चक्काजाम, जहांगीराबाद चौराहे पर प्रदर्शन से यातायात प्रभावित

वेतन वृद्धि और नियमितीकरण सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल में अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर से पहुंचे सफाई कर्मचारियों ने जहांगीराबाद चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। सुबह 9 बजे से शाहजहांनी पार्क में धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना था कि शाम तक उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं हुआ और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन लेने भी कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। इससे नाराज कर्मचारियों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। चक्काजाम के कारण जहांगीराबाद सहित पुराने शहर के कई इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में राजधानी भोपाल के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में सुबह से शाहजहांनी पार्क में जुटने लगे थे। उन्होंने शाम 4 बजे तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की बात कही थी। हालांकि,ज्ञापन लेने के लिए अधिकारी नहीं पहुंचे तो कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की रणनीति बनाई। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने शाहजहांनी पार्क के रास्ते पर बेरिकेडिंग की थी। हालांकि, कर्मचारी बेरिकेडिंग हटाकर बाहर निकल आए और तलैया थाने के सामने से होते हुए जहांगीराबाद चौराहे पर पहुंच गए। यहां पुलिस ने दोनों ओर बेरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद कर्मचारी सड़क पर ही बैठ गए और चक्काजाम शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने आसपास के मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया। पुलिस कंट्रोल रूम के सामने और पुराने शहर के कुछ हिस्सों में भी जाम की स्थिति बनी। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने कहा कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के सामने पक्ष रख रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है।